श्रावण शुक्ल - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 37 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 29-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ सेवा : चंद्रशेखर

6 शिव शक्ति नाम में भारतीय दर्शन की व्यापक सोच

7 यदि राष्ट्रपति चुना गया, तो एलन मस्क को सलाहकार बनाना चाहूंगा : विवेक रामास्वामी

फर्स्ट टेक

63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी शुरू, 20 कलाकार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली/वार्ता। ललित कला अकादमी द्वारा शुरू की गई 63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (एनईए) के शुभारंभ के साथ ही आज यहां देश भर के 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेता मनोज जोशी ने इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष प्रो.वी.नागदास ने की। इस समारोह में मंगोलिया के राजदूत डी गनबोल्ड, इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन, इजरायल दूतावास की संस्कृति अटैचे सुशी रेयूमा मंत्ज़ुर, हंगरी सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली के डायरेक्टर/काउंसलर संस्कृति सुशी डॉ मारियन एर्डो, अल्जीरिया के राजदूत डॉ अली आचोई, स्पेन के राजदूत जोसे मारिया रिडाओ डोमिंग्गेज़ जैसी हस्तियां मौजूद थी।

हत्या के आरोप से बरी हुए इमरान खान

इस्लामाबाद/वार्ता। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के वकील ने सोमवार को कहा कि एक अदालत ने इमरान के ऊपर लगे हत्या

के आरोपों को खारिज कर दिया है। वकील नईम पंजुथा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, क्रेटा के अंदर बिजली रोड पर खान साब के ऊपर झूठा मुकदमा लगाया गया। आज वह एफआईआर खारिज हो गई। आज उस मामले में वह बाइज्जत बरी हो गए। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2022 में सरकार गिरने के बाद से इमरान करीब 100 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इस्लामाबाद की एक अदालत ने उन्हें इस माह तोशखाना मामले में दोषी करार देकर तीन साल की सज़ा सुनाई थी।

जापान का पहला चंद्र मॉड्यूल प्रक्षेपण स्थगित

टोक्यो/वार्ता। मौसम की खराबी के कारण जापान के स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जॉक्सा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जापान का पहला एसएलआईएम चंद्र मॉड्यूल तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से एच-आईआईए लॉन्च वाहन पर प्रक्षेपण किया जाना था। मार्च में नए एच3 रॉकेट की विफलता के बाद यह एजेंसी द्वारा किया गया पहला प्रक्षेपण है। जॉक्सा ने रॉकेट के उड़ान भरने की उम्मीद से 23 मिनट पहले प्रक्षेपण रद्द करने की घोषणा की।

29-08-2023 सूर्यास्त 6:22 बजे | 30-08-2023 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
64,996.60 (+110.09)	19,306.05 (+40.25)

सोना	चांदी
6,122 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वारक्षण

हर जाति वर्ग में रहे सदा,
कमजोर और पिछड़े अगड़े।
युग-युग से ही होते आए,
हकदारों के हक में झगड़े।
आंदोलन ना हो आए दिन,
ना तोड़फोड़ के सब रगड़े,
सबको ही दे दो आरक्षण,
हो जाए खत्म सभी लफ़ड़े।।

छात्र की पहचान का खुलासा करने के आरोप में

'आल्ट न्यूज' के मोहम्मद जुबैर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले के एक निजी स्कूल में एक शिक्षिका के निर्देश पर एक छात्र को उसके सहपाठियों से थप्पड़ लगवाए जाने की घटना के पीड़ित की पहचान का खुलासा करने के आरोप में 'आल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर गांव स्थित स्कूल की शिक्षिका तृप्ता त्यागी के निर्देश पर कक्षा-2 के एक छात्र के सहपाठियों ने उसे शुक्रवार को थप्पड़ मारा था।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजीव सुमन ने बताया कि किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 74 के तहत मोहम्मद जुबैर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गांव के निवासी एवं शिकायतकर्ता विष्णु दत्त ने आरोप लगाया है कि जुबैर ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर बच्चे की पहचान का खुलासा किया।

शुक्रवार को शिक्षिका का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कक्षा-2 के एक मुस्लिम छात्र के कथित तौर पर गृह कार्य (होमवर्क) पूरा नहीं करने को लेकर उसके सहपाठियों द्वारा उसे थप्पड़ मारे जाते देखा जा सकता है।

मामले के तूल पकड़ने के बाद शनिवार को पीड़ित छात्र के परिवार की शिकायत के आधार पर त्यागी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया।

नागरिकों को तेजगति से सेवाओं की डिलीवरी पर फोकस करें : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'रोजगार मेला' के तहत विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में 51,000 से अधिक नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह रोजगार मेला देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। रोजगार मेला के जरिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस में कर्मियों की भर्तियां की हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी सेवा में आने वाले युवा प्रशासकों का आज आह्वान किया कि वे नागरिक सेवाओं की तेज डिलीवरी तथा टुकड़ों की जगह एक स्थायी एवं दीर्घकालिक समाधान मुहैया कराने के लिए खुद को तैयार करें और इसके लिए तकनीक की भी मदद लें।

मोदी ने यहां सरकारी सेवाओं में नियुक्ति किये गये 51 हजार से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, सरकार और शासन में बदलाव लाने के मिशन में आप सभी युवा मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आप सभी उस पीढ़ी से आते हैं जहां सब कुछ बस एक क्लिक पर मिल जाता है। लोग हर सर्विस की तेज डिलीवरी चाहते हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि आज की पीढ़ी समस्याओं का टुकड़ों में समाधान नहीं चाहती है, उन्हें स्थायी समाधान चाहिए। इसलिए, जनसेवक होने के नाते आपको ऐसे फैसले लेने होंगे, ऐसी जिम्मेदारियां निभानी होंगी, हर पल ऐसे तैयार रहना होगा, जो लंबे समय तक लोगों के लिए फायदेमंद हो।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप जिस पीढ़ी से संबंध रखते हैं, वो कुछ हासिल करने का इरादा रखती है। ये पीढ़ी किसी का फेवर नहीं चाहती, वो बस ये चाहती है कि कोई उनके रास्ते का रोड़ा ना बने। इसलिए, जनसेवक के तौर पर आपके लिए ये समझना बहुत आवश्यक है कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, हमेशा जनता की सेवा के लिए है। आप ये समझते हुए काम करेंगे तो कानून व्यवस्था को बनाए रखने में भी आपको बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बार रोजगार मेले का ये आयोजन एक ऐसे माहौल में हो रहा है, जब देश गर्व और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। हमारा चंद्रयान और उसका रोवर प्रज्ञान, लगातार चंद्रमा से ऐतिहासिक तस्वीरें भेज रहा है। गर्व से भरे इस क्षण और ऐसे समय में आप अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। वह सभी सफल अभ्यर्थियों और उनके परिवारजनों को अनेक-अनेक शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि सेना में आकर, सुरक्षाबलों के साथ जुड़कर, पुलिस सेवा में आकर, हर युवा का सपना होता है कि वो देश की रक्षा का प्रहरी बने। इसलिए आप पर बहुत बड़ा दायित्व होता है। इसीलिए आपकी जरूरतों के प्रति भी हमारी सरकार बहुत गंभीर रही है। बीते कुछ वर्षों में अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है।

राष्ट्रपति ने एन टी रामा राव के शताब्दी वर्ष पर स्मारक सिक्का जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलुगु फिल्मों के दिग्गज अभिनेता एवं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एन टी रामा राव के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सोमवार को एक स्मारक सिक्का जारी किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि रामाराव ने एक अभिनेता के रूप में पात्रों को अपने अभिनय से जीवंत किया और असाधारण व्यक्तित्व एवं अपनी कर्मठता के बल पर भारतीय राजनीति के एक अनोखे अध्याय की रचना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवंगत नन्दमूरि तारक रामा राव जी को लोग स्नेह और सम्मान के साथ एनटीआर के नाम से याद करते हैं तथा उनकी जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उनकी स्मृति को वह नमन करती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, दिवंगत एन टी रामा राव ने तेलुगु फिल्मों के जरिए भारतीय सिनेमा और संस्कृति को समृद्ध बनाया। उन्होंने रामायण और महाभारत के प्रमुख पात्रों को अपने अभिनय से जीवंत रूप प्रदान किया था। उनके द्वारा अभिनीत प्रभु श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र इतने सजीव बन पड़े थे कि लोग रामा राव जी को पूजने लगे थे। मुर्मू ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में उनकी लोकप्रियता, एक जन-सेवक और नेता के रूप में भी उतनी ही व्यापक बनी रही।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिवंगत एन टी रामा राव ने अपने असाधारण व्यक्तित्व और कर्मठता के बल पर भारतीय राजनीति के एक अनोखे अध्याय की रचना की तथा उनके द्वारा चलाए गए जन-कल्याण के अनेक कार्यक्रम आज भी याद किए जाते हैं।

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, अगली सुनवाई 12 को

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सुनवाई सोमवार को टाल दी। अदालत अब इस मामले में 12 सितंबर को सुनवाई करेगी। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश प्रितिंकर दिवाकर की अदालत में जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तो अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने इस बात का उल्लेख किया कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा इस मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

नीरज चोपड़ा ने फिर रचा इतिहास

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट/भाषा। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में 88 . 17 मीटर के थ्रो के साथ यह उपलब्धि हासिल की।

भालाफेंक फाइनल में भारत का इस कदर दबदबा था कि शीर्ष छह में तीन भारत के खिलाड़ी थे और ऐसा विश्व चैम्पियनशिप में पहली बार हुआ है कि शीर्ष आठ में तीन भारतीय रहे हों। किशोर जेना रविवार की देर रात हुए फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 84 . 77 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वहीं डी पी मनु छठे स्थान पर रहे जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 84 . 14 मीटर का था।

25 वर्ष के चोपड़ा ने पहला प्रयास फाउल रहने के बाद दूसरे में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। इसके बाद उन्होंने 86 . 32 मीटर, 84 . 64 मीटर, 87 . 73 मीटर और 83 . 98 मीटर के थ्रो फेंके।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 87 . 82 मीटर के सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत और चेक गणराज्य के याकूब वालेश ने कांस्य पदक जीता जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 86 . 67 मीटर का था।

चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरू किया लेकिन दूसरे प्रयास में बढत बनाई जो अंत तक कायम रही। पाकिस्तान के नदीम भी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर आ गए और आखिर में पहले दो स्थान इन्हीं दोनों को मिले।

संसद में हाल ही में पेश तीन विधेयकों से 70 प्रतिशत नकारात्मक ऊर्जा खत्म होगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य कानून को बदलने के लिए संसद में हाल ही में पेश तीन विधेयक यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी मामला दो साल से अधिक नहीं चल सके, इससे 70 प्रतिशत नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार शाह यहां 26वीं पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस बैठक में राज्यों और केंद्र के बीच कुल 17 मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से नौ का हल किया गया, वहीं शेष मुद्दों को गहन चर्चा के बाद निगरानी के लिए रखा गया।

गृह मंत्री शाह ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पेश किए गए तीन नए विधेयक -भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 - पारित होने के बाद कोई भी मामला दो वर्ष से अधिक नहीं चलेगा, जिससे 70 प्रतिशत से अधिक नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाएगी।''

आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण दो सितंबर को

बेंगलूरु/भाषा। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को घोषणा की कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का दो सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से प्रक्षेपण किया जाएगा। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परत) के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु) पर सौर वायु के यथास्थान अवलोकन के लिए तैयार किया गया है।

मदुरै ट्रेन आग मामले में तमिलनाडु पुलिस ने पांच कैटरिंग कर्मचारियों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै/भाषा। पुलिस ने ट्रेन के डिब्बे के अंदर खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर के अवैध उपयोग के कारण नौ लोगों की मौत से संबंधित मामले में सोमवार को पांच खान-पान (कैटरिंग) कर्मचारियों को गिरफ्तार किया।

उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को मदुरै रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक ट्रेन के डिब्बे के अंदर आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और आठ अन्य घायल हो गए थे। यात्री निजी बोगी में सवार होकर लखनऊ से रवाना हुए थे, जिनमें से कुछ को तीर्थयात्रा के लिए तमिलनाडु के रामेश्वरम जाना था।

बोगी में तीर्थयात्रियों, यात्रा आयोजक और पांच कैटरिंग कर्मचारियों समेत 64 यात्री सवार थे। कर्मचारी उत्तर प्रदेश से तीर्थयात्रियों के साथ ट्रेन में यात्रा कर रहे थे और उन्हें एक दिन से अधिक समय की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों को यहां एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 11 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

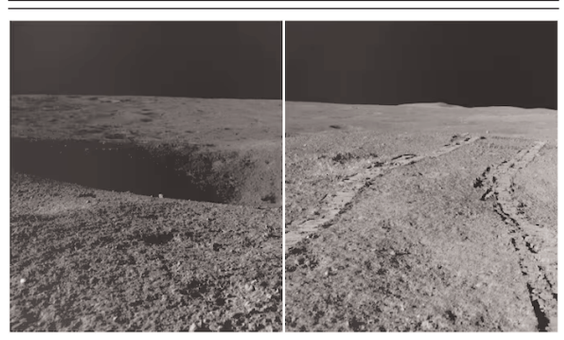

चंद्रमा की सतह पर एक गड्ढे के नजदीक पहुंचा रोवर प्रज्ञान

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत भेजा गया 'रोवर' प्रज्ञान चंद्रमा की सतह पर एक गड्ढे के काफी नजदीक पहुंच गया, जिसके बाद उसे पीछे जाने का निर्देश दिया गया। इसरो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह अब सुरक्षित रूप से एक नए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 27 अगस्त को रोवर चार मीटर व्यास के एक गड्ढे के नजदीक पहुंच गया, जो इसकी अवस्थिति से तीन मीटर आगे था।

इसरो ने कहा, रोवर को पीछे जाने का निर्देश दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, यह अब एक नए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

कोच्चि-बेंगलूरु विमान में बम की सूचना, यात्रियों को कोच्चि हवाईअड्डे पर उतारा गया

कोच्चि/भाषा। कोच्चि से बेंगलुरु जाने वाले इंडिगो के एक विमान में बम होने की सूचना मिलने के बाद उसमें सवार यात्रियों को सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतार दिया गया। हवाईअड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, विमान संख्या 6ई6482 को सुबह 10.30 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना होना था। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और विमान को जांच के लिए एक अलग स्थान पर ले जाया गया है। नेदुम्बस्सेरी पुलिस ने बम की धमकी की सूचना मिलने की पुष्टि की और बताया कि मामले की जांच के लिए एक दल भेज दिया गया है।

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में रोजगार बढ़े : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले नौ साल के कार्यकाल में रोजगार बढ़े हैं और इस दौरान देश के युवाओं को नौ लाख नौकरियां दी गईं। उन्होंने यहां रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

सिंह ने मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, न केवल नौकरियां पैदा हुई हैं, बल्कि आपने (प्रधानमंत्री) युवाओं में जागरूकता पैदा की है कि रोजगार केवल सरकारी नौकरियों के बारे में नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) और भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन के दौरान हुए रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए कहा, कई बार सवाल उठते हैं कि तब और अब में क्या अंतर है।

सिंह ने कहा कि संप्रग के पहले नौ साल यानी 2004 से 2013 के दौरान छह लाख नौकरियां दी गईं जबकि वर्तमान सरकार के तहत नौ लाख नौकरियां दी गई हैं जो 60 से 70 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने संप्रग और राजग शासन के दौरान भारत सरकार की तीन मुख्य भर्ती एजेंसियों - कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा की गई भर्तियों की तुलना की। उन्होंने कहा कि एसएससी ने संप्रग के नौ साल के शासन के दौरान दो लाख लोगों की भर्ती की थी जबकि राजग के शासनकाल में उसने चार लाख से अधिक लोगों की भर्ती की।

सिंह ने कहा कि इसी तरह, आरआरबी द्वारा संप्रग के शासन के दौरान 3,47,291 भर्तियों के मुकाबले, राजग के शासन में 4.2 लाख से अधिक भर्तियां की गईं।

नल्हड़ मंदिर में 15 साधु-संतों, दक्षिणपंथी समूह के नेताओं ने की प्रार्थना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नूंह (हरियाणा)/भाषा। 'सर्व जातीय हिंदू महापंचायत' के 'शोभा यात्रा' के आह्वान के मद्देनजर किले में तब्दील नूंह के जिला प्रशासन ने 15 साधु- संतों और दक्षिणपंथी समूहों के नेताओं को सोमवार को हरियाणा के इस जिले के नल्हड़ इलाके में स्थित शिव मंदिर में पूजा करने की अनुमति दी।

अधिकारियों ने 31 जुलाई को हुई सांप्रदायिक हिंसा के मद्देनजर सोमवार को यात्रा की अनुमति नहीं दी, लेकिन स्थानीय लोगों को श्रावण महीने के आखिरी सोमवार को अपने पास के मंदिरों में पूजा-अर्चना करने की अनुमति दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के आह्वान के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं और नूंह आ रहे कुछ साधु-संतों को गुरुग्राम में रोक दिया गया। दिल्ली-गुरुग्राम सीमा से नूंह तक पांच प्रमुख चौकियां स्थापित की गई हैं और मीडिया के वाहनों को तीसरी चौकी से आगे जाने की अनुमति नहीं है।

अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या के हिंदू संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य के वाहन को सोहना के पास गमरोज टोल प्लाजा पर रोक दिया गया। आचार्य ने कहा कि वह और उनके अनुयाई नल्हड़ मंदिर में जलाभिषेक के लिए सरयू नदी का जल और अयोध्या की मिट्टी ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके विरोध में वह टोल प्लाजा के पास भूख हड़ताल पर बैठ गए। नूंह के उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि लगभग 15 साधु-संतों और कुछ हिंदूवादी संगठनों के नेताओं को नल्हड़ स्थित शिव मंदिर जाने की अनुमति दी गई है और वे वहां 'जलाभिषेक' करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी धर्म देव और स्वामी परमानंद उस समूह में शामिल हैं, जिन्हें मंदिर में जाने की अनुमति दी गई।

नल्हड़ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद यह समूह कुछ स्थानीय लोगों के साथ फिरोजपुर झिरका के झिर मंदिर के लिए रवाना हुआ। बजरंग दल के गुरुग्राम जिला संयोजक प्रवीण हिंदुस्तानी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सीमित संख्या में लोगों ने 'यात्रा' में हिस्सा लिया और वे अब कड़ी सुरक्षा के बीच बस से झिर मंदिर के लिए रवाना हो गए हैं। इस बीच, हिंदू नेता कुलभूषण भारद्वाज ने दावा किया कि हरियाणा सरकार ने हिंदू नेताओं को नजरबंद कर दिया है। उन्होंने कहा, यह हिंदुओं की आस्था पर हमला है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में नौ संगठित क्षेत्रों में डेढ़ करोड़ से ज्यादा रोजगार पैदा हुए : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि 2014 में देश की बागडोर संभालने वाली नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, व्यापार और परिवहन समेत नौ संगठित क्षेत्रों में डेढ़ करोड़ से ज्यादा रोजगार पैदा हुए हैं।

यादव ने सीमा सुरक्षा बल के इंदौर स्थित केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्यूटी) में आयोजित रोजगार मेले में कहा,''मोदी सरकार के कार्यकाल में कृषि क्षेत्र के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, अतिथि सत्कार और चिकित्सा समेत नौ संगठित क्षेत्रों में डेढ़ करोड़ से ज्यादा रोजगारों का सृजन किया गया है। उन्होंने कहा कि गुजरे नौ बरस के दौरान देश में विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार के साथ ही नए उद्योगों का पंजीयन और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नए सदस्यों का पंजीयन बढ़ा है जो रोजगारों की सकारात्मक वृद्धि दर को दर्शाता है।

यादव ने कहा, नौ साल पहले भारत दुनिया की पांच सबसे ज्यादा डगमगाती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब भारत दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर पिछले एक साल के भीतर असंगठित क्षेत्र के 29 करोड़ कामगारों का पंजीयन किया गया है जिनमें सुदूर गांवों के श्रमिक भी शामिल हैं।

श्रम और रोजगार मंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के जरिये असंगठित क्षेत्र के कामगारों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल करते हुए उनके वित्तीय समावेशन और उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने में बड़ी मदद मिल रही है। सीएसडब्ल्यूटी के महानिरीक्षक कुलदीप कुमार गुलिया ने बताया कि रोजगार मेले में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 273 रंगरूटों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

संगीत कंपनी के सीईओ के अपहरण का मामला, मुंबई पुलिस ने एक और व्यक्ति को पकड़ा

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने एक वित्तीय विवाद को लेकर एक संगीत कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के अपहरण तथा उससे मारपीट के संबंध में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या चार हो गई है। यहां वनराई पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की शेट्टी के रूप में की गई है जिसे शनिवार को कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कार के कारोबार में शामिल शेट्टी ने कथित तौर पर अपराध में अहम भूमिका निभाई थी। उसकी कार भी जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि सिंह के अपहरण में इस्तेमाल की गई कार और शिवसेना के एक विधायक के बेटे एवं आरोपी राज सुर्वे का अभी पता नहीं चला है।

इससे पहले पुलिस ने बताया था कि नौ अगस्त को 'ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन प्राइवेट लि.' के सीईओ राजकुमार सिंह (38) का कुछ लोगों ने उपनगर गोरेगांव में उनके कार्यालय से कथित तौर पर अपहरण तथा उनसे मारपीट की।

आम लोगों के लिए किफायती घर बनाने को विभिन्न स्तर पर कर हटाने की जरूरत : नारेडको अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) के अध्यक्ष राजन बंदेलकर का मानना है कि आम लोगों के लिए किफायती घर बनाने के लिए विभिन्न स्तर पर करों को हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए का घर लेने पर 33 से 36 लाख रुपए कर के रूप में जाते हैं।

बंदेलकर ने कहा, आज दुर्भाग्य से रियल स्टेट क्षेत्र में डेवलपर का 'मार्जिन' एकल अंक में है। सरकार को अपना अंश (शेयर) कम करना होगा। अगर आज आप एक करोड़ रुपए का मकान खरीदते हैं, तो 33 लाख से 36 लाख रुपए सरकार के खाते में किसी न किसी कर के रूप में जाते हैं। मैं आयकर की बात नहीं कर रहा हूं। ये विभिन्न कर व राजस्व केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन को मिलता है। इस तरह मकान की कुल कीमत का एक तिहाई-हिस्सा सरकार को जाता है। बंदेलकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घरों को किफायती बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना करते हुए उनसे कुछ कर हटाने की गुजारिश भी की। उन्होंने कहा, सरकार किफायती घरों के लिए काफी बेहतरीन काम कर ही है, लेकिन इसे और किफायती बनाने के लिए इन सभी करों को हटाना होगा। बंदेलकर ने नारेडको की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लाने से पहले सरकार ने कहा था कि चुंगी कर हटाया जाएगा, जिसे हटाया भी गया। हालांकि, अब भी स्टाम्प शुल्क, स्थानीय कर (लोकल टैक्स) जैसी कई बाधाएं हैं जो आवास खरीदने वालों पर भार बढ़ा रही हैं। सरकार को इसपर गौर करना चाहिए।

तेदेपा ने आंध्र में मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने की निर्वाचन आयोग से मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

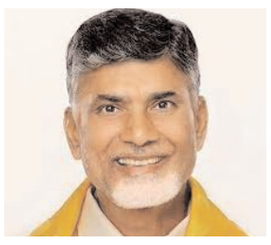

नई दिल्ली/भाषा। तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस चुनावी प्रक्रियाओं का उल्लंघन कर रही है।

उन्होंने आरोपों की जांच के लिए निर्वाचन आयोग (ईसी) से राज्य का दौरा करने की अपील की। नायडू ने निर्वाचन आयोग (ईसी) से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपकर यह सुनिश्चित करने की मांग की कि सभी पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और मृत तथा फर्जी मतदाताओं के नामों को सूची से हटाया जाए। उन्होंने मतदाताओं से जुड़ी जानकारी और आधार संख्या निजी एजेंसियों को कथित रूप से स्थानांतरित किए जाने की भी जांच की मांग की। उन्होंने आयोग से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि ग्राम/वार्ड सचिवालयम कर्मचारियों के बजाय शिक्षकों और अन्य विभाग के कर्मचारियों को चुनावी कार्यों के लिए तैनात किया जाए। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने नियमित निगरानी, आकलन और उपचारात्मक कदम उठाने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ एक समिति के गठन की भी मांग की। नायडू ने आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। बाद में, संवाददाताओं से बातचीत में नायडू ने राज्य की मतदाता सूची से फर्जी प्रविष्टियों को हटाने के लिए आधार पहचान सहित प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया।

आंध्र प्रदेश: जगन ने जगन्ना विद्या देवेना फीस प्रतिपूर्ति योजना के तहत 680 करोड़ रुपए वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी ने चित्तूर जिले के नागरी में जगन्ना विद्या देवेना फीस प्रतिपूर्ति योजना के तहत सोमवार को 680 करोड़ रुपए वितरित किए।

लगभग 9.3 लाख छात्रों की माताओं के बैंक खातों में यह राशि डाली गई। रेड्डी ने नागरी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज जो कार्यक्रम हो रहा है वह हमारे बच्चों का भविष्य बदल देगा। माता-पिता की गरीबी उनके बच्चों की उच्च शिक्षा और भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। मुख्यमंत्री ने वादा किया कि राज्य सरकार पात्र छात्रों की उच्च शिक्षा पर होने वाला खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि यह राशि अप्रैल से जून तक के लिए वितरित की गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, अकेले इस योजना के तहत पिछले चार वर्ष में 11,317 करोड़ रुपए वितरित किए, जिससे लाखों छात्र लाभान्वित हुए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक गरीब परिवार को बीते हुए कल की तुलना में बेहतर जीवन जीना चाहिए और आज से बेहतर आने वाले कल की आशा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार इस उद्देश्य के साथ कई कार्यक्रम चला रही है।

केंद्र ने अक्टूबर 2022 से पांच लाख से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए : केंद्रीय मंत्री

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री बी. एल वर्मा ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले साल अक्टूबर से 5.5 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं और साल के अंत तक 10 लाख युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य है। यहां बीएसएफ मुख्यालय में आयोजित एक रोजगार मेले को संबोधित करते हुए वर्मा ने बीएसएफ, सीआरपीएफ, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के लिए चयनित 1000 में से 250 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

उन्होंने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए, जो देश भर के 45 अलग-अलग स्थानों पर नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं और इनमें से ज्यादातर सुरक्षा बल में रोजगार प्राप्त करेंगे।

मिस वर्ल्ड कैरोलिना बिलावस्का एक दिवसीय यात्रा पर कश्मीर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मिस वर्ल्ड कैरोलिना बिलावस्का सोमवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एकदिवसीय यात्रा पर कश्मीर पहुंची।

पोलैंड की बिलावस्का ने भारत की ओर से मिस वर्ल्ड प्रतिनिधि सिनी शेट्टी समेत प्रतियोगिता के अन्य विजेताओं के साथ यहां एक पांच सितारा होटल में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ नाश्ते का आनंद लिया।

बिलावस्का और शेट्टी के साथ दिन भर की यात्रा में अमेरिकी मिस वर्ल्ड प्रतिनिधि श्री सैनी और मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष जूलिया मॉर्ले भी शामिल रहेंगी। रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन की रूबल नागी और भारत में पीएमई मनोरंजन के अध्यक्ष जमील सईदी भी नाश्ते के दौरान मौजूद रहे।

भारत में इस साल के अंत में आयोजित होने वाली मिस वर्ल्ड 2023 प्रतियोगिता यानी इसके 71वें संस्करण से पहले बिलावस्का की जम्मू-कश्मीर यात्रा, किसी भी अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के विजेता की पहली यात्रा है।

भारत ने छह बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है और लगभग तीन दशकों के बाद प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। आखिरी बार देश ने इस कार्यक्रम की मेजबानी वर्ष 1996 में की थी।

जियो प्लेटफॉर्म्स देगी हर किसी को हर जगह एआई समाधान: अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स विभिन्न क्षेत्रों में भारत-केंद्रित कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल और एआई-संचालित समाधानों के विकास प्रयासों का नेतृत्व करना चाहती है ताकि देश के नागरिक, कारोबार और सरकार नए दौर की इस प्रौद्योगिकी से लाभान्वित हो सकें।

अंबानी ने आरआईएल के शेयरधारकों की सालाना आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स 'हर किसी को, हर जगह एआई' का वादा करती है। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) को जियो के विकास का सबसे रोमांचक मोर्चा बताते हुए इससे संबंधित महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा पेश की।

अंबानी ने टिकाऊ तौर-तरीकों और हरित भविष्य की दिशा में बढ़ने का जिक्र करते हुए क्लाउड और एज दोनों स्थानों पर 2,000 मेगावाट तक एआई-सक्षम कंप्यूटिंग क्षमता स्थापित करने कंपनी की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर एआई क्रांति पूरी दुनिया को नया आकार दे रही है और इसका समझदार इस्तेमाल उद्योगों, अर्थव्यवस्थाओं और रोजमर्रा की जिंदगी को भी नए सिरे से परिभाषित और क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम करेगा।

अंबानी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए भारत को नवाचार, वृद्धि और राष्ट्रीय समृद्धि के लिए एआई का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा, अपने देशवासियों से यह मेरा वादा है। सात साल पहले जियो ने हर किसी को हर जगह ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी देने का वादा किया था। हमने इस वादे को पूरा किया है। आज जियो हर किसी को हर जगह एआई का वादा करती है। और हम इसे पूरा करेंगे।

मुकेश अंबानी ने उत्तराधिकार योजना आगे बढ़ाई, ईशा, आकाश और अनंत रिलायंस के निदेशक मंडल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी ने अपनी उत्तराधिकार योजना पर अमल शुरू करते हुए सोमवार को कहा कि पुत्री ईशा और पुत्र आकाश तथा अनंत को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। अब तक अंबानी परिवार के तीनों युवा उद्यमी सिर्फ परिचालन एवं व्यवसाय-स्तर से ही जुड़े हुए थे। उनमें से कोई भी देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक मंडल का हिस्सा नहीं था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में इन तीनों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। सालाना आमसभा (एजीएम) से पहले हुई निदेशक मंडल की बैठक में ईशा, आकाश और अनंत को कंपनी में गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त करने की मंजूरी दी गई। दिग्गज उद्योगपति 66 वर्षीय मुकेश अंबानी ने पिछले साल अपने बड़े बेटे आकाश अंबानी को देश की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. का चेयरमैन बनाने का रास्ता साफ कर दिया था। जियो इन्फोकॉम, जियो प्लेटफॉर्म्स की अनुषंगी है। जियो प्लेटफार्म्स में मेटा और गूगल जैसी कंपनियों की भी हिस्सेदारी है। इस कंपनी के मुखिया अभी मुकेश अंबानी ही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. जियो प्लेटफॉर्म्स की मूल कंपनी है। आकाश की जुड़वां बहन 31 वर्षीय ईशा को रिलायंस की खुदरा इकाई और छोटे पुत्र अनंत को नए ऊर्जा कारोबार की अगुवाई के लिए चुना गया था। अंबानी की तीनों संतानें संबंधित कंपनियों के निदेशक मंडल में शामिल थीं लेकिन पहली बार वे मूल कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हुए हैं। रिलायंस ने एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी के बाद उनके कार्यभार संभालने के पश्चात प्रभाव में आएगी।

रिलायंस पांच साल में 100 सीबीजी संयंत्र लगाएगी : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) कृषि अपशिष्ट को गैस में बदलने के लिए अगले पांच साल में 100 सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) संयंत्र स्थापित करेगी। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को यह घोषणा की। कंपनी की सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए अंबानी ने कहा कि जामनगर में दो 'डेमो' इकाइयां स्थापित करने के बाद रिलायंस ने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पहला वाणिज्यिक स्तर का सीबीजी संयंत्र रिकॉर्ड 10 माह में चालू कर दिया है।

अंबानी ने कहा, हम देश भर में इस संख्या को तेजी से बढ़ाकर 25 करेंगे। हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में 100 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने का है। इन संयंत्रों में 55 लाख टन कृषि अवशिष्ट और जैविक कचरे की खपत होगी और इससे कॉर्बन उत्सर्जन में करीब 20 लाख टन की कमी लाई जा सकेगी। इनके जरिये सालाना 25 लाख टन जैविक खाद का उत्पादन होगा।

अंबानी ने कहा कि इन संयंत्रों की स्थापना से सालाना 70 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात में कमी लाई जा सकेगी।

रिलायंस रिटेल में कई दिग्गज वैश्विक रणनीतिक और वित्तीय निवेशक दिखा रहे हैं रुचि : अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को कहा कि कई दिग्ग्ज वैश्विक रणनीतिक एवं वित्तीय निवेशक रिलायंस रिटेल में काफी रुचि दिखा रहे है। रिलायंस रिटेल ने हाल में कतर की सरकारी एजेंसी से एक अरब डॉलर जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा मूल्यांकन के आधार पर यह सूचीबद्ध होती, तो खुदरा उपक्रम शीर्ष चार सूचीबद्ध इकाइयों में से होता।

अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि तीन साल से भी कम समय में रिलायंस रिटेल का मूल्यांकन दोगुना हुआ है और मूल्य सृजन की इसकी गति का वैश्विक स्तर पर भी कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, कई दिग्गज वैश्विक रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों ने रिलायंस रिटेल में काफी रुचि दिखाई है। मैं आपको उचित समय पर उनके साथ हमारी प्रगति के बारे में जानकारी दूंगा... कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (क्यूआईए) ने हाल ही में 100 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) में 8,278 करोड़ रुपए (एक अरब डॉलर) का निवेश कर करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। अंबानी ने कहा कि इसका मूल्यांकन तीन साल से भी कम समय में दोगुना हो गया है।

अंबानी ने कहा, केवल संदर्भ के लिए बात करें, तो सितंबर, 2020 में हमारे कोष जुटाने के दौरान, हमारे खुदरा कारोबार का मूल्यांकन 4.28 लाख करोड़ रुपए था। तीन साल से भी कम समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी के बावजूद इसका मूल्यांकन लगभग दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा, इस मूल्यांकन के आधार पर अगर रिलायंस रिटेल सूचीबद्ध होती, तो यह भारत की शीर्ष चार कंपनियों में और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 खुदरा विक्रेताओं में शुमार होती।

अवाड़ी और शिवगंगा में आयोजित रोजगार मेले में 547 नए रंगरूटों को नियुक्ति पत्र सौंपे

अवाड़ी में नियुक्ति पत्र सौंपते हुए केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणसामी।

शिवगंगा में नियुक्ति पत्र सौंपते हुई केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि रोजगार मेलों का उद्देश्य रोजगार के अवसर पैदा करना और युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है। रोज़गार मेलों की आठवीं किश्त आज देश भर में 45 विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गई। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणसामी ने तमिलनाडु के चेन्नई के पास सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर, अवाडी में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि थे, जहां उन्होंने 341 नए रंगरूटों को नियुक्ति आदेश सौंपे। इसी तरह शिवगंगा जिले के भारत तिब्बत सीमा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित रोजगार मेले में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने 206 युवाओं को नियुक्ति आदेश सौंपे।

गृह मंत्रालय के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के विभिन्न विंगों जैसे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा पुलिस बल, भारत तिब्बती पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), असम राइफल्स, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस के अलावा तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय और अन्य विभाग में नियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश जारी किए गए थे। ।

इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया, ने नए नियुक्त लोगों को संबोधित किया और कहा कि देश ने पिछले नौ वर्षों में बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था, कृषि, अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर प्रज्ञान रोवर की सफल लैंडिंग ने दुनिया का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने नौकरीपेशा युवाओं से देश के विकास में बेहतर योगदान देने का आग्रह किया।

चेन्नई के पास आवडी में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणसामी ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं की क्षमता निर्माण में सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने शिवगंगा में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित एक समारोह में नियुक्ति आदेश सौंपे। उन्होंने कहा कि इन रोजगार मेलों में युवाओं को जारी नियुक्ति आदेश देश के विकास में उनकी भूमिका सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण कई अग्रणी योजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार है, जिससे समाज के बड़े वर्गों को लाभ हुआ है। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जब देश 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तो भारत कृषि, विनिर्माण और निर्यात सहित कई क्षेत्रों में दुनिया में नंबर एक स्थान पर होगा। नियुक्ति आदेश प्राप्त करने वालों ने खुशी व्यक्त की और रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और लागू करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में सीआरपीएफ और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के शीर्ष अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में, यूपीएस (यूनाइटेड पार्सल सर्विस), माल परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पोरूर में एक यूपीएस इंडिया टेक्नोलॉजी सेन्टर स्थापित किया है। चेन्नई में पहली बार 400 से अधिक लोगों को उच्च तकनीक वाला रोजगार प्रदान करने के लिए बने इस प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया।

केंद्र में सत्ता परिवर्तन होने पर ही तमिलनाडु को धन का उचित हिस्सा मिलेगा : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य को धन का उचित हिस्सा तभी मिलेगा जब केंद्र में शासन परिवर्तन होगा।

द्रमुक के अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक पांच साल पूरे करने पर अपने पार्टी कैडर को लिखते हुए, स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि तमिलनाडु के लोगों को पता था कि संघ में भाजपा शासन तमिलनाडु के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों की तुलना में तमिलनाडु को कम धन आवंटित करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मॉडल सरकार तमिलनाडु को विकास के पथ पर ले जाने के लिए लगातार काम कर रही है और लोग

इसके फल का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र में सत्ता परिवर्तन होता है तो हमारे राज्य (तमिलनाडु) को केंद्र सरकार से धन का उचित हिस्सा मिलेगा। यह ऐसा समय है जब न केवल तमिलनाडु बल्कि पूरे देश को सांप्रदायिक अंधकार से मुक्त करने की जरूरत है। 26 पार्टियों वाला डीएमके समावेशी भारतीय गठबंधन केवल इसी उद्देश्य के लिए बनाया गया है।

सिंगापुर में तमिल युवा महोत्सव का तीसरा संस्करण दो सितंबर से

चेन्नई/सिंगापुर। सिंगापुर में तमिल युवा महोत्सव का तीसरा संस्करण दो से 10 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव का मकसद तमिल समुदाय के युवा सदस्यों के बीच तमिल भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना है। तमिल, चीनी, मलय और अंग्रेजी सिंगापुर की चार आधिकारिक भाषाएं हैं।

'तमिल लैंग्वेज काउंसिल' (टीएलसी) ने कहा, पारंपरिक प्रदर्शन से लेकर कला की आधुनिक अभिव्यक्ति तक, यह महोत्सव प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा। सभी कार्यक्रमों में छात्र, युवा और 35 वर्ष से कम उम्र के लोग हिस्सा ले सकेंगे। टीएलसी ने कहा 10 साझेदार 10 कार्यक्रम पेश करेंगे। महोत्सव थीम 'अझागु' (सौंदर्य) है। टीएलसी के अध्यक्ष एस मनोगरन ने कहा, हमारा मानना है तमिल युवा महोत्सव कार्यक्रमों की एक शृंखला से कहीं अधिक है। यह समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक समूह है जो हमारी तमिल भाषा के प्रति एक समान उत्साह रखते हैं। टीएलसी का गठन 2000 में किया था। संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय द्वारा इसके सदस्यों को नियुक्त किया जाता है।

तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एनएलसी के आसपास प्रदूषण का अध्ययन करने के लिए समिति बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक रिपोर्ट में नेवेली में नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) के आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जल और मिट्टी प्रदूषण पर प्रकाश डाला गया है। अब तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) ने क्षेत्र का निरीक्षण करने और इलाके में प्रदूषण का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति का गठन राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की दक्षिणी पीठ द्वारा जारी एक निर्देश के आधार पर किया गया है जो इस मुद्दे से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई करती है। समिति को क्षेत्र में पानी और मिट्टी के नमूने एकत्र करने और ट्रिब्यूनल को एक रिपोर्ट दाखिल करने और एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था।

सोमवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एनजीटी को बताया कि समिति ने कुछ क्षेत्रों से नमूने एकत्र किए हैं और परीक्षण के लिए भेजे हैं। बोर्ड ने रिपोर्ट जमा करने के लिए समय मांगा क्योंकि परिणाम अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं।

आईआईटी-मद्रास के अध्ययन से पता चलता है कि स्वत: संज्ञान मामला पूवुलागिन नानबर्गल और मंथन अध्ययन केंद्र द्वारा जारी 'पावरिंग पॉल्यूशन - नेवेली और परंगीपेट्टई में थर्मल पावर स्टेशनों और खनन कार्यों के पर्यावरण प्रभाव' नामक एक रिपोर्ट पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चला कि नेवेली और पारंगीपेट्टई के आसपास के इलाके लिग्नाइट खदानों और थर्मल पावर प्लांटों के कारण गंभीर रूप से प्रदूषित हैं।

चेन्नई में पुलिस एसआई पर हमला

रामदास की गांजे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

चेन्नई। स्कूली छात्रों के गांजे के प्रभाव में एक पुलिस उप-निरीक्षक पर बेरहमी से हमला करने पर दुख जताते हुए पीएमके के संस्थापक एस रामदास ने राज्य सरकार से विशेष पुलिस टीमों के गठन सहित इस पदार्थ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वरिष्ठ नेता ने अपने बयान में कहा कि राधाकृष्णन नगर पुलिस स्टेशन से जुड़े एक उप-निरीक्षक बालामुरुगन पर टोंडियारपेट में वैद्यनाथन ब्रिज के पास कक्षा 10 के पांच स्कूली छात्रों ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि इससे और भी झटका लगता है कि छात्र गांजे और शराब के नशे में थे। शराब और गांजे ने उन्हें एक पुलिस अधिकारी पर हमला करने का साहस दिया। इससे पता चलता है कि छात्रों को बिना किसी जांच के गांजा और शराब कैसे उपलब्ध है।

उन्होंने याद दिलाया कि 22 अगस्त को कट्टुपक्कम में गांजा के नशे में युवाओं के एक समूह ने एक पुलिस कांस्टेबल का चाकुओं से पीछा किया था। सच्चाई यह है कि तमिलनाडु में गांजा और अवैध शराब की बिक्री नियंत्रण से बाहर हो गई है।

कोयम्बेडु मेट्रो की घोषणा में जयललिता का नाम न होने से ईपीएस नाराज

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने कोयम्बेडु बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन पर घोषणा के दौरान चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता का नाम हटा दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। सोमवार को एक बयान में, ईपीएस ने कहा कि वह जयललिता ही थीं, जिन्होंने चेन्नई मेट्रो रेल के चरण 1 को शीघ्र पूरा करना सुनिश्चित किया था और कहा कि घोषणा से उनका नाम गायब करना बेहद निंदनीय है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते तक चेन्नई मेट्रो ने कोयम्बेडु मेट्रो बस स्टेशन स्टॉप की घोषणा 'पुरैची थलाइवी जे. जयललिता मोफुसिल बस टर्मिनस' के रूप में की थी और पिछले कुछ दिनों से ऑपरेटर घोषणा कर रहा है कि उसके पास केवल कोयम्बेडु बस टर्मिनस है। ईपीएस ने चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (सीएमआरएल) से स्टेशन के पूरे नाम, 'पुरैची थलाइवी जे. जयललिता मोफुसिल बस टर्मिनल' के साथ घोषणा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर सीएमआरएल ऐसा करने में विफल रहती है, तो अन्नाद्रमुक सीएमआरएल मुख्यालय के समक्ष धरना का सहारा लेगी।

अब रेल कोच रेस्तरां में लुत्फ उठाएं व्यंजनों का

डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में रेल कोच रेस्तरां खोला गया

डीआरएम ने 'डाइन इन डाइन आउट' का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अपना पहला 'रेल कोच रेस्तरां' लॉन्च किया। चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक बी. विश्वनाथ एरीया ने सोमवार को रेल कोच रेस्तरां का उद्घाटन किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, चेन्नई मंडल के ई. हरिकृष्णन एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी, रेल यात्री और आम जनता इस कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्तरां आज से अपनी सेवा शुरू करेगा। यह टेंडर एक निजी फर्म को 2 साल की अवधि के लिए 2.2 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) की राशि पर दिया गया है। ठेकेदार रेस्तरां का प्रबंधन और रखरखाव करेगा।

चेन्नई उपनगरीय टर्मिनस (एमएमसी) के पास डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के दक्षिणी छोर पर स्थित, डाइन-इन रेस्तरां चेन्नई सेंट्रल से यात्रा करने वाले लोगों को नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के लिए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के साथ-साथ सुखदायक पेय और स्वादिष्ट व्यंजन प्रदान करता है। यहां चौबीसों घंटे नाश्ता आदि मिलेगा। रेल कोच रेस्तरां को अंदर लगभग 40 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ डिज़ाइन किया गया है, जबकि बाहर 110 लोगों को समायोजित किया जा सकता है। रेल कोच रेस्तरां में छत पर भोजन की व्यवस्था भी की गई है जो 26 लोगों को सेवा प्रदान करेगा।

चेन्नई डिवीजन द्वारा गैर-किराया राजस्व पहल (एनआईएनएफआरआईएस) के हिस्से के रूप में, पोथेरी, पेरंबूर और कटंगुलाथुर जैसे 3 और स्टेशनों पर रेल कोच रेस्तरां खुलेंगे। टेंडर फाइनल हो चुके हैं। रेस्तरां के उद्घाटन ने भारतीय रेलवे में पाक कला की दुनिया की ओर एक नई यात्रा शुरू की।

ऊंची जाति के लड़कों ने दलित लड़के व उसकी दादी पर किया हमला, चार हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के करूर जिले में 14 वर्षीय दलित लड़के और उसकी दादी पर हमला करने के आरोप में ऊंची जाति के चार लड़कों को हिरासत में लिया गया है। यह मामला तब शुरू हुआ, जब सरकारी स्कूल बस में एक दलित लड़के की मध्यवर्ती जाति के एक लड़के से बहस हो गई, जिसके बाद मारपीट हो गई। हालांकि, अगले दिन, मध्यवर्ती जाति का लड़का और उसके साथी लड़के के घर पहुंचे और उस पर और उसकी दादी कलियाम्मल पर हमला किया। लड़के और उसकी दादी का करूर के एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक पुलिस शिकायत में, पीड़ित ने कहा कि 20 मध्यवर्ती जाति के लड़कों का एक समूह उसके घर पहुंचा और उस पर और उसकी दादी पर हमला किया। इलांगो और मणिकांतन को दो नाबालिगों के साथ पुलिस हिरासत में ले लिया गया। मध्यवर्ती जाति के लड़कों द्वारा दलित छात्रों पर हमले की यह दूसरी घटना है। पहली घटना में तिरुनेलवेली जिले के नंगुनेरी में मध्यवर्ती जाति के लड़कों का एक समूह एक दलित लड़के के घर पहुंचा और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान दलित लड़के की छोटी बहन को भी चोटें आईं। विशेष रूप से, दलित इंटेलेक्चुअल कलेक्टिव ने राज्य सरकार से स्कूल में इस्तेमाल होने वाले रिस्टबैंड की प्रथा को खत्म करने का आग्रह किया था, जो बैंड के रंग के आधार पर विभिन्न जातियों की स्पष्ट पहचान देता है।

आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने के लिए एक पूर्ण मिशन नहीं है : इसरो

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि उसका पहला सौर खोज मिशन आदित्य-एल1 अंतरिक्ष में वैज्ञानिक पेलोड ले जाने वाले अंतरिक्ष यान के सीमित द्रव्यमान व ऊर्जा के कारण सूर्य का अध्ययन करने के लिए परिपूर्ण नहीं है। इसरो ने कहा, क्या आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने का एक पूर्ण मिशन है? इसका स्पष्ट उत्तर नहीं' है जो न केवल आदित्य-एल1 के लिए बल्कि सामान्य तौर पर अन्य किसी भी अंतरिक्ष मिशन के लिए परिपूर्ण मिशन नहीं है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, इसका कारण यह है कि अंतरिक्ष में वैज्ञानिक पेलोड ले जाने वाले अंतरिक्ष यान के सीमित द्रव्यमान, ऊर्जा और सीमित साधनों, सीमित क्षमता वाले उपकरणों के कारण केवल एक सीमित सेट ही अंतरिक्ष यान पर भेजा जा सकता है।

एजेंसी ने कहा आदित्य-एल1 के मामले में सभी पैमाने लैग्रेंज बिंदु एल1 से किए जाएंगे। उदाहरण के तौर पर सूर्य की विभिन्न घटनाएं बहु-दिशात्मक हैं और इसलिए रहस्यमयी विस्फोटक घटनाओं की ऊर्जा के बारे में पता लगाना अकेले आदित्य-एल1 के साथ अध्ययन करना संभव नहीं होगा। एल5 के रूप में जाना जाने वाला एक अन्य लैग्रेंज स्थल पृथ्वी निर्देशित सीएमई घटनाओं का अध्ययन करने और अंतरिक्ष मौसम का आकलन करने के लिए एक अच्छा सुविधाजनक स्थल है। इसके अलावा, ऐसे अध्ययनों के लिए अंतरिक्ष यान की कक्षाओं को मिलने वाली तकनीकी चुनौतियों के कारण सूर्य के ध्रुवीय क्षेत्रों का अच्छी तरह से अध्ययन नहीं किया जा सकता है।

इसरो ने कहा ऐसा माना जाता है कि सूर्य ध्रुवीय गतिशीलता और चुंबकीय क्षेत्र सौर चक्र प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा सूर्य के अंदर और उसके आसपास होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं को समझने के लिए विभिन्न तरंग दैर्ध्य पर सौर विकिरण के ध्रुवीकरण पैमाने की आवश्यकता होती है।

इसरो ने कहा कि आदित्य एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन होगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लाग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है। एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को सूर्य को बिना किसी आच्छादन/ग्रहण के लगातार देखने का प्रमुख लाभ है। यह वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम

पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ प्रदान करेगा। अंतरिक्ष यान वैद्युत-चुम्बकीय और कण और चुंबकीय क्षेत्र संसूचकों का उपयोग करके फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात नीतभार ले जाएगा। विशेष सहूलियत बिंदु एल1 का उपयोग करते हुए, चार नीतभार सीधे सूर्य को देखते हैं और शेष तीन नीतभार लाग्रेंज बिंदु एल1 पर कणों और क्षेत्रों का यथावस्थित अध्ययन करते हैं, इस प्रकार अंतर-ग्रहीय माध्यम में सौर गतिकी के प्रसार प्रभाव का महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन प्रदान करते हैं। आदित्य एल1 नीतभार के सूट से कोरोनल तापन, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता, कण और क्षेत्रों के प्रसार आदि की समस्या को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने की उम्मीद है। मिशन चंद्रयान की बड़ी सफलता के कुछ घंटों के बाद ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने गत बुधवार को घोषणा की कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 मिशन सितंबर के पहले सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा। आदित्य-एल-1 सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला होगी। दस दिनों की अल्प अवधि में भारत द्वारा दूसरा प्रमुख अंतर-ग्रहीय अन्वेषण होगा, लैंडर मॉड्यूल के बाद, चंद्रयान -3 ने 23 अगस्त को चंद्रमा के अंधेरे पक्ष पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की और वहां से रोवर तैनात किया गया। चंद्र सतह पर क्षेत्र का इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण करना शुरू कर दिया है और चंद्रमा की तस्वीरें भेज रहा है।

चुनौतीपूर्ण चंद्रमा मिशन के 42 दिनों के बाद यह और भी अधिक पेचीदा और चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि लो अर्थ ऑर्बिट में प्रवेश होने के बाद आदित्य-एल1 को सौर क्षेत्र पर उतरने के लिए 120 दिन की यात्रा करनी होगी। पृथ्वी से सूर्य की दूरी चंद्रमा की दूरी से लगभग चार गुना अधिक है। जहां पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी 3.84 लाख किमी है, वहीं आदित्य एल1 को सूर्य-पृथ्वी की व्यवस्था के लाग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से करीब 15 लाख किमी दूर है। यहां से सूर्य को बिना किसी व्यवधान या ग्रहण के लगातार देखने का लाभ मिलेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि आदित्य एल -1 मिशन से अंतरिक्ष में मौसम की गतिशीलता, सूर्य के तापमान, पराबैगनी किरणों के धरती पड़ने वाले प्रभावों को लेकर स्टडी की जाएगी। प्रारंभ में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद, कक्षा को अधिक अण्डाकार बनाया जाएगा और बाद में ऑन-बोर्ड प्रोपल्शन थ्रस्टर्स का उपयोग करके अंतरिक्ष यान को लैग्रेंज बिंदु एल1 की ओर प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो ने कहा, आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान-- यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में तैयार किया गया। इसे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को बिना किसी ग्रहण के सूर्य को लगातार देखने का प्रमुख लाभ होता है। इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलेगा। इसरो ने कहा कि आदित्य एल1 पेलोड के सूट कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता, कण और क्षेत्रों के प्रसार आदि की समस्या को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने की उम्मीद है।

चेन्नई मेट्रो परियोजना के लगातार प्रगति के कारण संपत्ति की कीमतें बढ़ीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के भीतर आवागमन को आसान बनाने के अलावा, चेन्नई मेट्रो रेल रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक वरदान रही है।

रियल एस्टेट बाजार पर नज़र रखने वालों ने कहा कि जब से इसकी यात्रा शुरू हुई है तब से चेन्नई में मेट्रो गलियारों में संपत्ति की कीमतें बढ़ गई हैं।

भूमि की कीमतों में औसतन लगभग 20 प्रतिशत से 35 प्रतिशत (स्थान, मौजूदा बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच के आधार पर) की वृद्धि हुई है वहीं संपत्ति की कीमतों में 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आगामी मेट्रो लाइनों के स्थानों पर पहले से ही कीमतों में वृद्धि देखी जाने लगी है, लेकिन मौजूदा लाइनों की सीमा तक नहीं।

कोटा छात्र आत्महत्या प्रकरण

कलेक्टर, कोचिंग संस्थानों के साथ बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/जयपुर।कोटा में एनईईटी के दो अभ्यर्थियों की आत्महत्या के एक दिन बाद, राजस्थान सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को वहां के जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कोचिंग संस्थानों और हॉस्टल एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में शामिल होने वाले अन्य अधिकारियों में कोटा के जिला कलेक्टर ओ पी बुनकर, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) राजकुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भगवत सिंह हैं। देथा इस मुद्दे पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर गठित एक समिति के अध्यक्ष भी हैं। समिति जल्द ही कोटा का दौरा भी करेगी। गहलोत ने 18 अगस्त को सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक की थी और समिति बनाने का निर्देश दिया जो 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक विद्यार्थी कोटा पहुंचते हैं। शहर में रविवार को चार घंटे के अंतराल में दो छात्रों ने अपनी जान दे दी। अधिकारियों के अनुसार कोटा जिले में 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था।

कोटा में कोचिंग संस्थानों को नीट, जेईई अभ्यर्थियों के नियमित टेस्ट पर रोक लगाने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के प्राधिकारियों ने कई छात्रों की आत्महत्या के मद्देनजर कोचिंग संस्थानों से अगले दो महीने तक नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के नियमित टेस्ट नहीं कराने को कहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के वास्ते होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए देशभर से हर साल दो लाख छात्र-छात्राएं कोटा आते हैं।

प्राधिकारियों के अनुसार, 2023 में अभी तक जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे 22 छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है, जो किसी भी वर्ष में आत्महत्या के सबसे अधिक मामले हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था। रविवार को चार घंटे के भीतर दो छात्रों ने अपनी जान ले ली। पुलिस के मुताबिक, अविष्कार संभाजी कासले (17) ने रविवार अपराह्न करीब 3.15 बजे जवाहर नगर में अपने कोचिंग संस्थान की इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। कासले ने कुछ मिनट पहले ही कोचिंग संस्थान की तीसरी मंजिल पर एक परीक्षा दी थी।

पुलिस के अनुसार, कासले की मौत के चार घंटे बाद नीट की ही तैयारी कर रहे आदर्श राज (18) ने शाम करीब सात बजे कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र स्थित अपने किराये के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों छात्रों के आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने के पीछे की वजह कोचिंग संस्थानों द्वारा लिए जाने वाले नियमित टेस्ट के दौरान कम अंक पाने के कारण अभ्यर्थियों का दबाव में होना बताया जा रहा है। कोटा के जिलाधीश ओ पी बंकर ने रविवार रात जारी एक आदेश में कोचिंग संस्थानों से अगले दो महीने के लिए नियमित टेस्ट पर रोक लगाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को मानसिक सहयोग देने के लिए यह निर्देश जारी किया गया है।

कोचिंग संस्थानों के लिए नीति बनाए केंद्र सरकार : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के एक मंत्री ने कोटा में छात्रों के आत्महत्या बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वित्तीय बोझ छात्रों में तनाव के कारणों में से एक है और केंद्र को एक नीति बनानी चाहिए ताकि अभिभावकों को अपने बच्चों की कोचिंग आदि के लिए कर्ज न लेना पड़े। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने जयपुर में संवाददाताओं से कहा,पढ़ाई का दबाव है। इसके अलावा, कई छात्रों पर यह दबाव होता है कि उनके माता-पिता ने उनकी पढ़ाई के लिए पैसे उधार लिए हैं और अगर वे कामयाब नहीं हुए तो उनके माता-पिता का क्या होगा।

उन्होंने कहा कि छात्र घर और माता-पिता से दूर रहते हैं और ऐसे सभी कारकों से तनाव व दबाव पैदा होता है जिसके चलते उनके द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाए जाते हैं। जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार को कोचिंग संस्थानों को लेकर एक नीति बनानी चाहिए और ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें अभिभावकों को कर्ज लेने की जरूरत न पड़े क्योंकि यह भी छात्रों पर दबाव का एक बड़ा कारण है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक छात्र कोटा शहर जाते हैं। शहर में रविवार को चार घंटे के भीतर दो छात्रों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अधिकारियों के अनुसार कोटा जिले में 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जयपुर से सात नए गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान शुरू होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सात नये गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें आगामी शीतकाल में शुरू होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी निजी विमानन कंपनियों ने आगरा, खजुराहो, वाराणसी, बागडोगरा, जैसलमेर, भोपाल और पटना के लिए नयी उड़ानें शुरू करने में दिलचस्पी जताई है।

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, विमानन कंपनियों ने सर्दियों के मौसम में सात नये गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करने में रुचि दिखाई है। राजस्थान में यात्री आवागमन लगातार बढ़ रहा है और सर्दियों में इसमें काफी वृद्धि होने की उम्मीद है, जब राज्य में पर्यटन चरम पर होता है। अधिकारी के मुताबिक, आगरा, खजुराहो, वाराणसी, जैसलमेर, बागडोगरा जैसे नये वायुमार्ग पर्यटन के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण हैं और इन तक सीधी 'कनेक्टिविटी' उपलब्ध कराने से स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। 'समर शेड्यूल' में पहले भोपाल और पटना के लिए सीधी 'कनेक्टिविटी' की घोषणा की गई थी, लेकिन कुछ तकनीकी समस्या के कारण इंडिगो परिचालन नहीं कर सकी। कंपनी अब सर्दियों के मौसम में दोनों वायु मार्ग पर परिचालन शुरू करेगी। पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण जैसलमेर के लिए सीधी उड़ान हर साल सर्दियों की शुरुआत से लेकर गर्मियों की शुरुआत तक जारी रहती है। दूसरी ओर, जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले साल की तुलना में इस साल अप्रैल से जुलाई तक यात्रियों की संख्या में 26.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान लगभग 17.36 लाख यात्रियों ने जयपुर हवाई अड्डे से यात्रा की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13.72 लाख से कहीं अधिक है।

जीवन में कभी भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। केन्द्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि भारत के चंद्रयान मिशन से यह संदेश मिलता है कि हमें जीवन में कभी भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए। यदि हमारे भीतर जिद और संकल्प हो तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। मेघवाल आज राजस्थान के अजमेर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केंद्र 2 सभागृह में आयोजित रोजगार मेले के अवसर पर नयी नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 250 ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किये जो अर्द्धसैनिक बलों में अब सेवाएं देंगे। इस अवसर पर मंच पर सांसद भगीरथ चौधरी, विधायक अनिता भेदल व वासुदेव देवनानी, महापौर ब्रजलता हाड़ा, उपमहापौर नीरज जैन, सीआरपीएफ के आईजी विक्रम सहगल, डीआईजी ए.के. सिंह व संजय यादव, कमांडेंट मोहन प्रकाश, डिप्टी कमांडेंट सुरेंद्र सिंह व राधाकृष्णन इत्यादि उपस्थित थे। मेघवाल ने कहा कि चंद्रमा से हमारी देश की मातृशक्ति का सबसे ज्यादा लगाव रहा है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि चंद्रयान तीन की सफलता में इसरो की महिला वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं का यह कर्तव्य है कि अपनी आने वाली पीढ़ी को वे प्रदूषण मुक्त देश सौंपे। इसके लिए उन्होंने हर पूर्णिमा को रात को घर की लाइट बंद करके चंद्र प्रकाश में समय गुजारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अब विभिन्न क्षेत्रों में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी विकसित देश अपनी सेटेलाइट अंतरिक्ष में भेजने के लिए भारत से संपर्क कर रहे हैं। इसके अलावा देश ऑटो मोबाइल, फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रारंभ में सीआरपीएफ के आईजी विक्रम सहगल ने केंद्रीय मंत्री एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सीआरपीएफ संपूर्ण विश्व में सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है। यह देश की एकता एवं अखंडता के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के कुशल प्रबंधन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर विधायक अनिता भदेल, वासुदेव देवनानी तथा महापौर ब्रजलता हाड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।उल्लेखनीय है कि देश के 45 शहरों में आयोजित रोजगार मेले के आठवें संस्करण में अर्धसैनिक बलों में कुल 51,106 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। राजस्थान में अजमेर तथा जोधपुर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। देश में अब तक पिछले करीब एक वर्ष में पाँच लाख से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।

गहलोत ने दी स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। गहलोत ने नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए कहा कि बुडापेस्ट में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर दुनिया में भारत का नाम स्वर्ण सा रोशन कर दिया है। उन्होंने कहा इस ऐतिहासिक उपलब्धि की हार्दिक बधाई, हम सभी को आप पर नाज है।

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने भी नीरज चोपड़ा को उनके इस ऐतिहासिक खेल प्रदर्शन पर बधाई और स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय एथलेटिक्स के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत पुन: इतिहास रचा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे गौरवमय क्षण बताते हुए विश्व पटल पर फिर भारत का तिरंगा लहराने वाले नीरज चोपड़ा को हार्दिक बधाई दी। डोटासरा ने कहा कि नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपिनशिप में भारत के लिए प्रथम स्वर्ण पदक हासिल करके इतिहास रचा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं में राजस्थान बना मॉडल स्टेट : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि उसकी नीतियों और इण्डस्ट्री फ्रेंडली माहौल से प्रदेश में निवेश बढ़ा है और कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। गहलोत सोमवार को जोधपुर के बासनी में मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के जगशांति सभागार एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने यहां एंटरप्रेन्योर लोगो का अनावरण भी किया। गहलोत ने कहा कि 11.04 प्रतिशत जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान का उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा एवं सराहना पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, महंगाई राहत कैम्प, ओपीएस बहाली, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। आगे भी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

गहलोत ने कहा कि हम सभी ने मिलकर पांच वर्षों में राजस्थान की प्रगति को गुना बढ़ाया है। अब इसे 10 गुना बढ़ाने और राजस्थान को हर क्षेत्र में देश का सिरमौर बनाने की दिशा में मिशन-2030 का शुभारम्भ किया है। राज्य सरकार एक करोड़ लोगों से सुझाव और सलाह लेकर विजन 2030 डॉक्यूमेंट जारी करेगी। इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने उद्यमियों सहित प्रदेशवासियों से उन्नत और खुशहाल राजस्थान के लिए बहुमूल्य सुझाव-विचार देने का आह्वान किया। इसके लिए वेबसाइट उपेपवद2030ण्तंरेंजींदण्हवअण्पद के माध्यम से सुझाव दिए जा सकते है।

आधुनिक सुविधाओं वाले जगशांति सभागार से उद्यमियों को अपने सेमिनार एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने में आसानी होगी। वहीं इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के सदस्य हस्ती पेट्रोकेमिकल एंड शिपिंग लि. के रुचिर पारेख द्वारा लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर के निर्माण से उद्यमियों और कर्मचारियों को उच्च प्रशिक्षण मिलेगा।

कांग्रेस के लिए बहुत अच्छा माहौल : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। असम के सांसद और राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं के संदर्भ में सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के कारण राज्य में पार्टी के लिए अच्छा माहौल है।

गोगोई ने दावा किया कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में पार्टी के लिए बहुत माहौल अच्छा है। राज्य सरकार काम कर रही है और हम दोबारा सरकार बनाने जा रहे हैं।

गोगोई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के लिए यहां कांग्रेस कार्यालय 'वॉर रूम' पहुंचे। समिति के सदस्य अभिषेक दत्त और गणेश गोडियाल भी गोगोई के साथ थे। बैठक के लिए मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, बीडी कल्ला, महेश जोशी और अन्य नेता भी पहुंचे।

कांग्रेस के शासन में वैज्ञानिकों को जेल भेजा जाता था : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में वैज्ञानिकों के खिलाफ साजिश रची जाती थी और उन्हें जेल भेज दिया जाता था। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा, जिन्होंने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने के इसरो के सफल अभियान का श्रेय वैज्ञानिकों के साथ पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार के शासनकाल में पहली बार वैज्ञानिक समुदाय को उचित सुविधाएं और संसाधन प्रदान किये गये। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, अनेक प्रधानमंत्री आये और गये। लेकिन पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में वैज्ञानिकों को संसाधन और सुविधाएं प्रदान की गयीं और भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बना। जोशी ने आरोप लगाया, कांग्रेस के शासनकाल में वैज्ञानिकों को कोई सुविधा नहीं मिलती थी और उन्हें साजिश रचकर जेल भेज दिया जाता था। जोशी ने कहा, इन दिनों गहलोत को 'रेड डायरी' का और चुनाव हार जाने का डर है। कांग्रेस के शासनकाल में हुए काले कारनामे और भ्रष्टाचार छिपाने के लिए वह इस तरह के बयान देते हैं। लेकिन जनता सच जानती है और कांग्रेस को नहीं छोड़ेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि अगर उन्हें 'रेड डायरी' का डर नहीं था तो उनकी सरकार में मंत्री राजेंद्र गुढा को क्यों हटाया गया।

राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जुलाई 2020 में आयकर छापे के दौरान कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के आवास से जो लाल डायरी उन्होंने हासिल की थी, उसमें गहलोत के वित्तीय लेनदेन का विवरण था। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

जोधपुर में जगशांति सभागार एवं स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर के बासनी में मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के जगशांति सभागार एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां एंटरप्रेन्योर ''लोगो'' का अनावरण भी किया। गहलोत ने समारोह में कहा कि औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

हमारी नीतियों और इण्डस्ट्री फ्रेंडली माहौल से प्रदेश में निवेश बढ़ा है। साथ ही, कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि 11.04 प्रतिशत जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान का उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा एवं सराहना पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, महंगाई राहत कैम्प, ओपीएस बहाली, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। आगे भी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कांवड़ियों की मौत

अजमेर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अजमेर के निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम तिलोरा के निकट बाड़ी घाटी के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कावड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नजदीकी टंकी पूरा थांवला के 15 से 20 कावड़िये पुष्कर पवित्र सरोवर का जल लेकर रात 12 बजे थांवला के लिये रवाना हुए , जहां थांवला शिवालय में आज सावन के आखरी सोमवार को शिवाभिषेक तथा सहस्त्रधारा करना था लेकिन रात दो बजे बाद किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो कावड़िये हादसे के शिकार हो गये। घटना की सूचना पर पुष्कर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को रात ही राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया । मृतकों में हेमराज बावरी (16) तथा गणपतलाल बावरी (25) थांवला निवासी हैं । घटना में मौत की सूचना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया।

असम में पांच करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

तिनसुकिया(असम)/भाषा। असम के तिनसुकिया जिले में पांच करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए विशेष कार्य बल और जिला पुलिस के एक संयुक्त दल ने काकोपाथर इलाके के गोंडहुइगुरी तिनियाली में रविवार रात एक वाहन को रोका जिसमें तीन लोग सवार थे। तलाशी में उनके कब्जे से 700 ग्राम मादक पदार्थ, 13,950 रुपए नगद और पांच मोबाइल फोन बरामद हुए जिन्हें जब्त कर लिया गया। जब्त की गई सामग्री को 57 साबुन के डिब्बों से बरामद किया गया, जो वाहन में दो गुप्त स्थानों पर छुपाए गए थे। उन्होंने कहा कि सभी तीन आरोपी करीमगंज जिले के रहने वाले हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैदुल इस्लाम ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी के लिए शहर एक पारगमन बिंदु बन गया है और इंजेक्शन से मादक पदार्थ लेने के कारण इसकी पहचान 'एचआईवी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र' के रूप में की गई है।

हमारी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, हम सबको एकजुट करना चाहते हैं : नीतीश कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का संयोजक बनाए जाने संबंधी अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है और वह सबको एकजुट करना चाहते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि वह चाहेंगे कि किसी और को विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनाया जाए।

जद (यू) के शीर्ष नेता नीतीश से पूछा गया था कि क्या मुंबई में विपक्षी गठबंधन की आगामी बैठक में उन्हें, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का संयोजक बनाया जा सकता है? उन्होंने कहा, हमको कुछ नहीं बनना है। हम यह बराबर कहते रहे हैं। संयोजक दूसरे लोगों को बनाया जाएगा। हमारी कोई इच्छा नहीं है। हम सबको एकजुट करना चाहते हैं। हम तो सबका हित चाहते हैं इसलिए यह कभी मत सोचिए कि हम लोग कुछ चाहते हैं। हम सबको एकजुट कर रहे हैं। भाजपा के विरोधी विभिन्न दलों को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने रविवार को यह भी कहा था कि मुंबई में अगली बैठक के दौरान 'कुछ और' राजनीतिक दलों के विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की संभावना है। उन्होंने इन दलों के नाम का खुलासा नहीं किया था।

झारखंड में पांच पशु तस्कर पकड़े गए

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले से ओडिशा के एक व्यक्ति सहित पांच लोगों को पशु तस्करी में शामिल होने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घाटशिला अनुमंडल के गुराबंद थाने के पुलिस दल ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को 24 गोवंश के साथ पकड़ा, जिन्हें तस्करी कर जिले से बाहर ले जाया जा रहा था। गुराबंद थाने के प्रभारी अधिकारी परवेज आलम ने बताया कि गोवंश ओडिशा से खरीदे गए थे और इन्हें पश्चिम बंगाल के एक बाजार में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन पुलिस दल ने पांचों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। आलम के मुताबिक, सभी गोवंश चाकुलिया गौशाला के अधिकारियों को सौंप दिए गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों को घाटशिला की एक अदालत में पेश किया गया।

भारत को 10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा: गावस्कर

मुंबई/भाषा। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, शतरंज के उदीयमान खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा और बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि भारत को अगले 10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा। चोपड़ा रविवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने जबकि 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा ने पिछले सप्ताह विश्व कप के फाइनल में जगह बना कर इतिहास रचा। प्रणय ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और इस दौरान विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन को हराया।

गावस्कर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, इससे पहले आपने देखा होगा कि केवल कुछ खेलों पर ही चर्चा होती थी और इन्हीं खेलों को मीडिया में कवरेज मिलती थी। उन्होंने कहा, लेकिन अब सभी खेलों को लेकर चर्चा होती है और इन खेलों को भी पर्याप्त कवरेज मिलती है। हमें इन खेलों में नए स्टार खिलाड़ी मिल रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर बुडापेस्ट में चोपड़ा को विश्व चैंपियन बनते देखकर खुशी से झूम उठे थे। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब उन्होंने (चोपड़ा) टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता तब भारत और इंग्लैंड के बीच शृंखला चल रही थी। मैं इंग्लैंड से देख रहा था और जैसे ही चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता तो मैं गीत गाने लगा, मेरे देश की धरती सोना उगले कल भी मुझे ऐसा ही एहसास हुआ।

गावस्कर ने कहा,''हमने दो साल पहले नीरज को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतते हुए देखा था। विश्व चैंपियनशिप में पिछले साल उन्होंने रजत पदक जीता लेकिन उनके लिए स्वर्ण पदक जीतना महत्वपूर्ण था और वह इसमें सफल रहे। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ बैडमिंटन में प्रणय सेमीफाइनल में पहुंचे और उन्होंने विक्टर एक्सेलसेन को हराया। अगर आप अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को खेल राष्ट्र मानते हो तो मुझे लगता है कि 10-15 वर्षों में भारत को भी खेल राष्ट्र कहा जाएगा। उन्होंने प्रज्ञाननंदा की प्रशंसा करते हुए कहा, वह उपविजेता रहा। वह अभी केवल 18 वर्ष का है और भविष्य में कई खिताब जीत सकता है।

मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ सेवा : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ देश की सेवा, अच्छा प्रशासन,गरीबों का कल्याण तथा देश का बेहतर भविष्य तैयार करना है। केन्द्रीय मंत्री ने यहां चद्रायनगुट्टा में सीआरपीएफ द्वारा आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में नवनियुक्त रंगरूटों को संबोधित करते हुए कहा कि आज सरकार में होने का मतलब सेवा, सुशासन और कमजोर लोगों के कल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने कहा, यह अधिकार,शक्ति अथवा नियंत्रण के बार में नहीं है..।

चंद्रशेखर ने कहा कि 2014 के पहले भारत में सरकार अथवा शासन के बारे में ऐसा माना जाता था कि ये ठीक से काम नहीं कर पाते है,यह भ्रष्ट है,यह सिर्फ उनके लिए है जिनके कोई सरपरस्त है। उन्होंने कहा, इसीलिए सरकारी नौकरियों की अवधारणा का एक बेहद भिन्न अर्थ है। आज सरकारी नौकरियां भारत के लोगों को सेवाएं देने के बारे में हैं, युवाओं को सफल बनाना सुनिश्चित कर रही हैं,देश को दुश्मनों से बचा रही हैं। यह सार्वजनिक सेवा और राष्ट्रीय सेवा के बारे में है, न कि अधिकार, नियंत्रण और शोषण के बारे में जैसा कि यह पहले होती थी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 2014 की शुरुआत से ही देश के युवाओं के लिए नए तथा अधिक अवसर सृजित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में अवसर पैदा हुए हैं, फिर चाहे वह कृषि, हस्तशिल्प या पारंपरिक क्षेत्र हो या फिर स्टार्टअप और डिजिटल पारिस्थितिकी जैसे नए क्षेत्र।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश के युवा आज समृद्ध, विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।

चंद्रशेखर ने कहा कि, आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और ये सब कुछ इस वजह से संभव हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान अधिक निवेश लाने, विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने साथ ही युवा पीढ़ी के लिए अधिक अवसर पैदा करने पर है।

केन्द्रीय मंत्री ने नवनियुक्त कैडर को नियुक्त पत्र बांटे।

रोजगार मेला को लेकर प्रधानमंत्री को निशाना बनाने पर जयराम को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर निशाना साधते हुए उन्हें 'स्पिनमास्टर' करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों को कमतर करने के लिए 'जुमला' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चंद्रशेखर की यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव रमेश के उस बयान पर आई है, जिसमें उन्होंने रोजगार मेलों को 'सबसे बड़ा जुमला' करार देते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में 'असफल' रहे हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहने के बाद... नोटबंदी, गलत तरीके से तैयार जीएसटी और बिना किसी तैयारी के अचानक लॉकडाउन लगाकर एमएसएमई (लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम) क्षेत्र को बर्बाद करने के बाद...नौ साल से अधिक समय तक युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फेरने के बाद... प्रधानमंत्री चुनावी वर्ष में मुश्किल स्थिति में हैं। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि रमेश पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की 'फ्लॉप भूमिकाओं' में कदम रख रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा, वह (जयराम रमेश) चिदंबरम और रघुराम की 'असफल भूमिका' निभाना चाहते हैं। वह प्रधानमंत्री की सरकार की उपलब्धियों को जुमला बता रहे हैं।

भाजपा सांसद ने पटनायक से 'राजधर्म' का पालन करने को कहा

भुवनेश्वर/भाषा। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से 'राजधर्म' का पालन करने तथा धृतराष्ट्र न बनने को कहा। सारंगी पर भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले अथंत्रा इलाके के दौरे के दौरान 'मिशन शक्ति' की सदस्यों ने अंडों और पत्थरों से कथित तौर पर हमला किया था। सारंगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, महिला सशक्तिकरण के नाम पर ओडिशा राज्य सरकार उस महिला सांसद पर हमला करने के लिए मिशन शक्ति की महिलाओं का इस्तेमाल कर रही है जिसे लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोजगार मेले को 'नौटंकी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रोजगार के अवसरों के कथित अभाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोमवार को आलोचना करते हुए कहा कि वह रोजगार मेला इसलिए आयोजित कर रहे हैं, क्योंकि वह अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर असहज महसूस कर रहे हैं और अपनी छवि बचाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह रोजगार मेले के दौरान युवाओं को खासकर सुरक्षा बलों में नियुक्ति के लिए 51,000 से अधिक पत्र वितरित किए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रोजगार मेलों को सबसे बड़ा जुमला करार दिया और दावा किया कि प्रधानमंत्री हर साल दो करोड़ नौकरी पैदा करने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहे हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहने के बाद...नोटबंदी, गलत ढंग से तैयार जीएसटी और बिना किसी तैयारी के अचानक लॉकडाउन लगाकर एमएसएमई क्षेत्र को बर्बाद करने के बाद... नौ साल से अधिक समय तक युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फेरने के बाद... प्रधानमंत्री चुनावी वर्ष में मुश्किल स्थिति में है। उन्होंने कहा, वह अपनी बिगड़ती छवि को बचाने के लिए सबसे बड़े जुमलों में से एक- 'प्रधानमंत्री रोजगार मेला' लेकर आए हैं। रमेश ने दावा किया कि रोजगार मेलों में जो नौकरियां मिल रही हैं, वे पहले से ही स्वीकृत पदों पर मिल रही हैं, जिन्हें प्रशासनिक या वित्तीय कारणों से वर्षों से भरा नहीं गया था। उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में पदोन्नति के मामलों में भी प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इन मेलों के माध्यम से शासन का व्यक्तिगत इस्तेमाल हो रहा है। ऐसा दिखाया जा रहा है कि मानो ये नियमित नौकरियां प्रधानमंत्री की ही वजह से मिल रही हैं, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रोजगार सृजन आर्थिक विकास से होता है, जिसके लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होती है।

कभी नहीं कहूंगा कि मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ भारतीय 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट हूं : चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट/भाषा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीरज चोपड़ा भारत के सर्वकालिक महान खिलाड़ी बन गए हैं लेकिन इसका जिक्र होते ही रविवार को विश्व चैम्पियन बना यह एथलीट असहज हो जाता है। चोपड़ा ने रविवार की रात बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किया। वह ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट भी हैं। भाला फेंकने के साथ वह अपनी विनम्रता के लिए भी काफी मशहूर हैं।

भारत का सर्वकालिक 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट कौन है, इसमें (उनके नाम पर) कोई शक नहीं है लेकिन चोपड़ा इस बहस में शामिल नहीं होना चाहते। चोपड़ा ने कहा, मैं कभी भी ऐसा नहीं कहूंगा, सर्वकालिक महान खिलाड़ी। लोग कहते कि बस विश्व चैम्पियनशिप पदक की कमी है। मैंने अब यह जीत लिया है लेकिन मुझे अभी काफी चीजें करनी है और मैं उन पर ध्यान लगाऊंगा। मैं ऐसा (सर्वकालिक महानतम) नहीं कहना चाहूंगा। उन्होंने भाला फेंक स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के संदर्भ में बताते हुए कहा, अगर आप सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी कहना चाहते हो तो वह जान जेलेज्नी जैसा एथलीट ही होगा। जेलेज्नी चेक गणराज्य के महानतम भाला फेंक एथलीट हैं, जिनके नाम 98.48 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है। वह तीन ओलंपिक और तीन विश्व चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। वह चोपड़ा के आदर्श भी हैं। इस 25 साल के भाला फेंक एथलीट को लगता है कि विश्व चैम्पियनशिप ओलंपिक की तुलना में मुश्किल होती है। चोपड़ा ने कहा, ओलंपिक बहुत ही विशेष था और विश्व चैम्पियनशिप बड़ा खिताब है। अगर आप प्रतिस्पर्धा की बात करोगे तो विश्व चैम्पियनशिप हमेशा ओलंपिक से कठिन है। सभी खिलाड़ी के लिए तैयार होकर आते हैं। उन्होंने कहा, काफी लोग भारत से यहां आते हैं और स्थानीय लोगों का समर्थन भी शानदार था। इसलिए यह जीत विशेष है। चोपड़ा ने अपने साथी किशोर कुमार जेना और डीपी मनु की प्रशंसा की जो शीर्ष आठ में रहने में सफल रहे। चोपड़ा ने कहा, किशोर जेना (पांचवें स्थान पर रहे) और डीपी मनु (छठे स्थान पर रहे) ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी एथलेटिक्स अब आगे बढ़ रही है। लेकिन अभी काफी काम करना होगा।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने किशोर जेना को 25 लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की जो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले ओडिशा के पहले खिलाड़ी हैं। जेना रविवार को बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने 84.77 मीटर के प्रयास के साथ अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। पटनायक ने कहा, किशोर जेना की उल्लेखनीय यात्रा और बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में असाधारण प्रदर्शन ने ना केवल हमारे राज्य और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है, बल्कि वह आने वाले वर्षों में कई एथलीटों को प्रेरित भी करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चैंपियनशिप में उनकी भागीदारी ना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उस खेल कौशल और प्रतिभा को भी दर्शाती है जो ओडिशा दुनिया को दे सकता है।

'झूठे सबूतों के साथ मुझे फंसा रही है ईडी'

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हालिया छापेमारी के दौरान कंप्यूटरों में झूठे सबूत डाले और कहा कि कोई भी धमकी उन्हें नई दिल्ली में सत्ता के सामने सिर झुकाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने कहा कि जब वह इलाज के लिए विदेश यात्रा पर थे, तो पश्चिम बंगाल में अफवाह फैला दी गई कि वह देश वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, मेरे लौटने के एक दिन बाद, ईडी अधिकारियों को छापे के लिए भेजा गया। छापे के दौरान, उन्होंने 16 फाइल एक कंप्यूटर में डाउनलोड कीं। अब, यदि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अगले सात दिनों बाद उसी स्थान पर आता है और उसे वे फाइल मिलती हैं, तो बदनाम करने का अभियान शुरू हो जाएगा।

बनर्जी का इशारा स्कूल नौकरी घोटाले की जांच के सिलसिले में 21 अगस्त को कोलकाता और उसके आसपास के कई स्थानों पर आठ घंटे से अधिक समय तक ईडी की छापेमारी की ओर था।

जिन स्थानों पर छापे मारे गए उनमें शहर के दक्षिणी हिस्से में न्यू अलीपुर इलाके स्थित एक निजी कंपनी का कार्यालय भी शामिल था।

भाजपा ने बंगाल में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट की एनआईए से जांच कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने उत्तर 24 परगना जिले में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराने की सोमवार को मांग की। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी। भाजपा विधायकों ने रविवार को हुई इस घटना के विरोध में सोमवार को विधानसभा से बहिर्गमन किया।

अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, सभी सबूत नष्ट होने से पहले राज्य सरकार को घटना की जांच तत्काल एनआईए को सौंप देनी चाहिए। हमने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दाखिल की है। भाजपा नेता ने कहा कि जब तक आरोपों में विस्फोटक पदार्थ कानून की धाराएं शामिल नहीं की जातीं, केंद्र स्वत: संज्ञान लेते हुए एनआईए को जांच नहीं सौंप सकता। भाजपा घटना पर विधानसभा में चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश करना चाहती थी, लेकिन विधानसभाध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने पार्टी को केवल इसे पढ़ने की अनुमति दी। बहिर्गमन से पहले भाजपा विधायकों ने सदन में करीब 10 मिनट तक नारेबाजी की और घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बयान देने की मांग की। भाजपा के मुख्य सचेतक मनोज तिग्गा सहित पार्टी विधायकों ने हंगामा किया और सदन से बाहर निकलते समय कामकाज की सूची वाले कागजात फाड़ दिए।

अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले में मृतक संख्या बढ़कर नौ हुई, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट मामले में तालाब से एक और व्यक्ति का सिर कटा शव बरामद होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर नौ हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि विस्फोट के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक, दत्तापुकुर थाना क्षेत्र के नीलगंज के मोशपोल में सोमवार को हालात शांतिपूर्ण रहे।

मलेशिया को हराकर भारत महिला हॉकी 5 फाइनल में, 2024 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सालालाह (ओमान)/भाषा। कप्तान नवजोत कौर की हैट्रिक की बदौलत भारत ने यहां महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया को 9-5 से शिकस्त दी और टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई करने में सफल रहा।

नवजोत (सातवें, 10वें और 17वें मिनट) ने हैट्रिक लगाई जबकि मारियाना कुजुर (नौवें, 12वें मिनट) और ज्योति (21वें और 26वें मिनट) ने दो दो गोल दागे। वहीं मोनिक्का दिपी टोप्पो (22वें मिनट) और महिमा चौधरी (14वें मिनट) ने एक एक गोल किए। मलेशिया के लिए जैती मोहम्मद (चौथे और पांचवें मिनट), डियान नजेरी (10वें और 20वें मिनट) और अजीज जाफिराह (16वें मिनट) में गोल किए। हॉकी फाइव्स विश्व कप का शुरुआती चरण अगले साल 24 से 27 जनवरी तक मस्कट में खेला जाएगा। भारत ने मैच में तेज शुरुआत की लेकिन मलेशिया ने जैती मोहम्मद के जरिये बढ़त बना ली। एक मिनट बाद इसी खिलाड़ी ने मैदानी गोल से इसे दोगुना कर दिया। भारत ने दो मिनट बाद नवजोत के गोल से अंतर कम किया और फॉर्म में चल रही कुजुर ने फिर भारत को 2-2 से बराबरी दिलाई।

दोनों टीमें लगातार हमले कर रही थीं, मलेशिया ने नाजेरी के जरिये बढ़त बनाई। भारत ने तुरंत जवाबी हमले किए और तेजी से दो गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। नवजोत और कुजुर ने भारत के लिए गोल किए। पहले हाफ में एक मिनट का समय बचा था और महिमा चौधरी ने बढ़त 5-3 करने में मदद की। दूसरे हाफ में दोनों टीमें आक्रामक थीं और खतरनाक दिख रही थीं।

2 महीने में इस टीम के साथ यादें बनाना चाहता हूं: रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोहित शर्मा स्वदेश में होने वाले विश्व कप से जुड़े भारी दबाव को समझते हैं लेकिन भारतीय कप्तान खुद को बाहरी बातों से दूर रखना चाहते हैं क्योंकि वह एक दशक में देश के लिए पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की कठिन यात्रा पर निकल रहे हैं।

भारत के 36 वर्षीय कप्तान के कंधों पर एक अरब से अधिक लोगों की उम्मीदों का बोझ है और उन्हें पता है कि पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हो रहे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में क्या दांव पर लगा रोहित ने कहा, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं खुद को सहज रखूं और उन बाहरी तत्वों के बारे में चिंता नहीं करूं जो सकारात्मक या नकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं उस चरण में जाना चाहता हूं जिसमें मैं 2019 विश्व कप से पहले था। पिछले टूर्नामेंट में अभूतपूर्व पांच शतक के साथ 648 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे रोहित ने कहा, मैं मानसिक रूप से काफी अच्छी स्थिति में था और टूर्नामेंट के लिए काफी अच्छी तैयारी की थी। उन्होंने कहा, मैं अच्छी लय, मानसिकता में था। मैं इसे वापस लाना चाहता हूं और मेरे पास ऐसा करने के लिए समय है। उन सही चीजों को दोहराने की कोशिश कर रहा हूं जो एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में 2019 विश्व कप से पहले मैं कर रहा था।

सुविचार

जो इंसान हार के डर से कभी आगे नहीं बढ़ता, वो इंसान जीवन में कभी कामयाब नहीं हो सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़लत नीतियों का परिणाम

अमेरिका में एच1-बी वीजा पर काम करने वाले एक पाकिस्तानी डॉक्टर का आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की मदद करने और 'लोन वुल्फ' हमला करने की कोशिश में लिप्त पाया जाना इस देश के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। दुनिया को उदारवाद पर उपदेश देने वाला अमेरिका आज खुद अपनी ग़लत नीतियों के कारण कई समस्याओं का सामना कर रहा है। उसने पाकिस्तान का अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया, उस पर खूब डॉलर लुटाए। एक तरह से उसने अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद की आग में तेल डाला। अब यह आग उसके घर तक आ पहुंची है। मुहम्मद मसूद नामक उक्त पाकिस्तानी डॉक्टर सिर्फ 31 साल का है। वह एच1-बी वीजा लेकर अमेरिका आया था, जिसे हासिल करना बहुत मुश्किल माना जाता है। अमेरिका ने उसे सीखने और प्रैक्टिस करने के लिए बेहतरीन माहौल दिया, नौकरी दी, सम्मान दिया, लेकिन यह डॉक्टर आईएसआईएस में भर्ती होकर उसी देश को तबाह करने का सपना देख रहा था! वह रोचेस्टर, मिनेसोटा के मेडिकल क्लिनिक में अनुसंधान समन्वयक के रूप में कार्यरत था। ऐसे में यह भी नहीं कहा जा सकता कि उसके सामने ग़रीबी, अशिक्षा, भेदभाव जैसी समस्याएं थीं, जिनके कारण आतंकवाद की राह चुनी। इस घटना के बाद अमेरिकी एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। वहां रहने वाले पाक मूल के अन्य लोगों को शक की नजरों से देखा जाएगा। अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में विविधतापूर्ण संस्कृति के नाम पर इस कदर वीजा बांटे हैं कि यह कदम उसके लिए मुसीबत बनता जा रहा है। उसने बिना छानबीन किए हिंसाग्रस्त देशों से आए 'शरणार्थियों' को भी खूब जगह दी। हालांकि अन्य देश भी ऐसे लोगों के लिए अपने दरवाजे खोलते रहे हैं। उदाहरण के लिए, इन दिनों यूक्रेन के कई लोग अपनी जान बचाने के लिए यूरोप व अमेरिका में शरण लिए हुए हैं, लेकिन वे वहां शांतिपूर्वक रहते हैं, स्थानीय समाज व संस्कृति से तालमेल बैठाने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका और पाकिस्तान का रिश्ता बहुत विचित्र है। पाकिस्तान की सरकार और फौज का झुकाव अमेरिका की ओर होता है। अगर प्रधानमंत्री या सेना प्रमुख अमेरिका से छत्तीस का आंकड़ा रखे तो वह ज्यादा दिनों तक कुर्सी पर नहीं रह सकता। इमरान ख़ान ने चीन व रूस से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश में अमेरिका को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। उनका हाल सबके सामने है। वहीं, आम जनता अमेरिका से नफरत करती है। हालांकि सबके मन में यह भी इच्छा होती है कि उन्हें अमेरिका का वीजा मिल जाए। पाकिस्तानी समाज के बारे में यह प्रसिद्ध है कि वहां लोग अमेरिकी वीजा हासिल करने के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं और अमेरिका के ही अहित की कामना करते हैं। असल में इसके लिए काफी हद तक पाकिस्तान का स्कूली पाठ्यक्रम जिम्मेदार है। सामाजिक माहौल और मीडिया ने भी पाकिस्तानियों में यह मानसिकता विकसित की है कि भारत, अमेरिका, इज़राइल उनके शत्रु हैं, इसलिए उनका कर्तव्य है कि वे इनके विरुद्ध काम करें। लिहाजा डॉक्टर मसूद ने अमेरिका जाकर जो 'कारनामा' किया, उस पर किसी को आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने समय रहते इस शख्स के मंसूबों पर पानी फेरकर बड़ी आतंकी घटना टाल दी, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडेन को याद रखना चाहिए कि यह ऐसी अंतिम घटना नहीं है। पाकिस्तान में आज भी इसी मानसिकता के लोग बहुत बड़ी तादाद में मौजूद हैं। अगर उन्हें अमेरिका आने का मौका मिले तो वे वही सबकुछ दोहराना चाहेंगे, जो डॉक्टर मसूद करना चाहता था। दूसरी ओर यही अमेरिका पाकिस्तान को दिल खोलकर आर्थिक सहायता देता है। उसे फौजी साजो-सामान मुहैया कराता है। उसकी पीठ थपथपाता है। पाकिस्तानियों को धड़ाधड़ वीजा देता है। आज समय की मांग है कि पाकिस्तान पर तुरंत आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। उसे फौजी साजो-सामान देना बंद किया जाए। उसे कट्टरपंथ और आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए सख्त चेतावनी दी जाए। वह जब तक संतोषजनक प्रगति न कर ले, पाकिस्तानियों को वीजा देने पर पाबंदी जारी रहनी चाहिए। अमेरिका को भारतीय युवाओं के लिए अपनी वीजा सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए। भारतीय प्रतिभाएं जहां जाती हैं, वहां अपनी काबिलियत का लोहा तो मनवाती ही हैं, उस देश की मिट्टी से भी बहुत प्रेम करती हैं।

ट्वीटर टॉक

आज मरुधरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नवनिर्मित जगशान्ति ऑडिटोरियम एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर संघ की नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई।

-अशोक गहलोत

संसदीय क्षेत्र सांगोद के पोलाइकलां गांव में लाडली बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाया। बहनों को आश्वस्त किया कि उनके जीवन को समृद्ध व खुशहाल बनाएंगे। महिलाएं करूणा और संवेदना से परिवार का ख्याल रखती हैं। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हमारे शब्द और विचार कम पड़ जाते हैं।

-ओम बिरला

बुडापेस्ट में आयोजित हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में जेवलिन थ्रो प्रतिस्पर्धा में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा जी को स्वर्ण पदक जीत कर नया कीर्तिमान रचने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

सत्य-अर्द्धसत्य

एक चिड़िया के बच्चे होने वाले थे। वह आशियाने की तलाश में जंगल में पहुंची। वहां उसको दो पेड़ दिखे जो नदी के किनारे पर थे। उसने पहले पेड़ से अपना घर बनाने के लिए पूछा। पहले पेड़ ने मना कर दिया! अब वो दूसरे पेड़ के पास पहुंची तो दूसरे पेड़ ने इसको इजाजत दे दी। लेकिन कुछ दिनों बाद एक घटना घटी। अचानक बाढ़ आ गयी और जिस पेड़ ने उसे मना किया था वो उखड़कर बह गया। ये देखकर अन्य पेड़ पर बैठी चिड़िया बोली कि जो दूसरों की मदद नहीं करते उनके साथ ऐसा ही होता है। कभी-कभी भिखारी भी मदद कर देते हैं। बहते हुए पेड़ ने बहुत ही शालीनता के साथ जवाब दिया कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। मेरी जड़ें कमजोर थीं इसलिए मैंने आपको मना किया क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि आपका और आपके नन्हे बच्चों का भविष्य मेरी वजह से बह जाए। यह सुनकर उस चिड़िया की आंखें फ़टी की फटी रह गयीं कि मैं कितनी गलत थी।

सामयिक

शिव शक्ति नाम में भारतीय दर्शन की व्यापक सोच

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

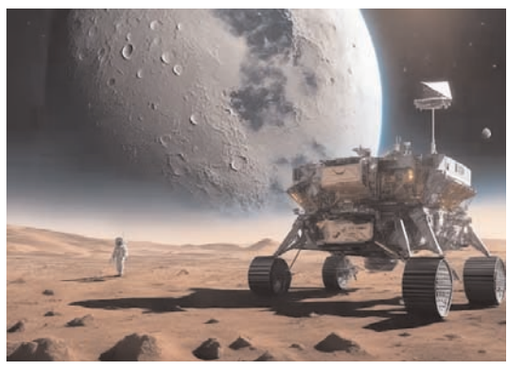

चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने की जगह का नाम शिव शक्ति हो चुका है। उस स्थान को जहां चंद्रयान-2 ध्वस्त हुआ, तिरंगा नाम दिया गया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने उसका नाम कैसे रख दिया? क्या वह चांद के मालिक हैं ? यह गलत बात हैआदि आदि। ये ऐसी प्रतिक्रियाएं हैं जिनका उत्तर देना भी अपना समय नष्ट करना होगा। चंद्रयान 1 जहां 2008 में उतरा था उसका नाम तत्कालीन संप्रग सरकार ने जवाहर रख दिया। हालांकि चंद्रयान की योजना अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान बनी थी और उन्होंने 1999 में ही घोषणा की थी कि 2008 में चंद्रयान 1 प्रक्षेपित होगा। भाजपा मांग कर सकती थी कि बाजपेयी जी का नाम रखा जाए। शिव शक्ति और तिरंगा राजनीतिक नाम भी नहीं। इस नाम के पीछे गहरी सोच है। हमारे धर्मग्रंथो में शिव और चंद्रमा के संबंध बताने की आवश्यकता नहीं। शिव शक्ति भारतीय सभ्यता संस्कृति का प्रतीक नाम है। नामकरण के कुछ उद्देश्य होते हैं। शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। वे कालों के काल महाकाल भी हैं। कल्याण के लिए वे विषपान तक चले गए। उन्हें नीलकंठ भी कहा जाता है। तो शिव शक्ति नाम का अर्थ यह हुआ कि भारत का अंतरिक्ष अभियान या चंद्रमा पर चंद्रयान का उतरना संपूर्ण मानवता या सृष्टि के कल्याण के लिए है और कालातीत है। यानी हमारा अंतरिक्ष अभियान विज्ञान की प्रकृति पर विजय को दर्शाने या महाशक्ति की धौंस जमाने के लिए नहीं है।

यही भारतीय दृष्टि आज हमारी समस्त विदेश नीति, रक्षा नीति, विज्ञान नीति का मूल दर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद आंतरिक और बाह्य नीतियों में भारतीय सभ्यता संस्कृति का दिग्दर्शन हो रहा है और विश्व मानवता भी हमारी व्यापक दृष्टि और व्यवहार से परिचित हो रही है। उन्होंने चंद्रयान 3 की सफलता के बाद दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल भारत की और भारत के वैज्ञानिकों की सफलता नहीं है, संपूर्ण विश्व की, मानवता की सफलता है। प्रधानमंत्री ने अपने देश की वैज्ञानिक उपलब्धियां, अनुसंधान आदि की चर्चा की, पर धौंस जमाने या यह प्रदर्शित करने का दंभ नहीं था कि भारत के समक्ष दूसरे देश छोटे या बौनें हैं। संपूर्ण विश्व का साझा अभियान बताकर प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि भारत का वैश्विक दृष्टिकोण क्या है। भारतीय जीवन दर्शन में उपलब्धियों और समृद्धि के साथ विनम्रता और त्याग को जोड़ा गया है। ब्रिक्स सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी थे। चीन अंतरिक्ष की उपलब्धियां पर गर्वोन्मत भाव प्रकट करता है। इसी कारण कई गुनी बड़ी आर्थिक शक्ति होते हुए भी चीन को भारत की तरह विश्व में भविष्य के नेता या उम्मीद की दृष्टि से नहीं देखा जाता। बिना उपलब्धि के विश्व मानवता की भाषा बोलें तो कोई सुनने वाला नहीं होता। उपलब्धियां हासिल करने के बाद अपना दर्शन रखते हैं तो सारे देश गंभीरता से सुनते और विचार करते हैं।

यह मानना होगा कि भारत के अंतरिक्ष सफलता के साथ विश्व के अंतरिक्ष अभियानों के दृष्टिकोण में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री कोरोना काल के बाद जिस विश्व व्यवस्था की बात करते हैं उसमें भारतीय दर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रधानमंत्री मोदी हर ऐसे अवसर का इस दृष्टि से उपयोग करते हैं और अपने अनुसार विश्व को संदेश देने में सफल होते हैं। यही चंद्रयान-3 के मामले में है और इसे भारतवासियों को गहराई से समझना चाहिए। दुर्भाग्य है कि जहां संपूर्ण विश्व भारत को बधाई दे रहा है और बड़ी संख्या में देश भारत की सफलता से खुश होकर नेतृत्व की दृष्टि से हमारी ओर देख रहे हैं वहां हम राजनीतिक तू तू मैं मैं में उलझे हैं। कांग्रेस ने 2019 में भी चंद्रयान 1 के उड़ान के साथ भी श्रेय वैज्ञानिकों के अलावा पंडित नेहरू को दिया। इस बार भी कांग्रेस का स्वर यही है। सरकारें निरंतरता में चलतीं हैं। स्वतंत्रता के समय कांग्रेस ही थी और तब विकास की नींव डालने की भूमिका उनकी थी। हालांकि कोई उपलब्धि एक नेता या केवल सरकार की नहीं होती, पर उसकी महत्वपूर्ण भूमिका अवश्य होती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान और कार्य की नींव डालने में नेहरू जी की भूमिका थी। किंतु सब कुछ उन्हीं के कारण हो रहा है केवल दंभ कहा जाएगा। यह सच भी नहीं है। यह मानसिकता स्वयं को ही महान और सर्वोपरि मानती है और दूसरे को स्वीकार नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अंतरिक्ष, रक्षा या अन्य वैज्ञानिक अनुसंधानों को मिली शक्ति, दिशा और व्यापक आयाम अतुलनीय है। यूपीए सरकार के अंतिम समय में अंतरिक्ष बजट और आज के बजट को देखें तो यह तीन गुना से भी ज्यादा हो जाता है। अंतरिक्ष को व्यापक आयाम दिया गया। अंतरिक्ष के व्यावहारिक लक्ष्य तय हुए। यानी भारतीय दृष्टि तथा अंतरिक्ष लोगों के दैनिक जीवन से जुड़े इस पर फोकस करने का लक्ष्य मिलने के बाद वैज्ञानिकों ने केंद्रित होकर काम किया है। अमेरिका में नासा की ताकत निजी क्षेत्र है। केवल सरकार की बदौलत अंतरिक्ष या किसी क्षेत्र में आवश्यक ऊंचाइयां हासिल नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र को अनुमति दी गई। इंडियन स्पेस एसोसिएशन की स्थापना और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र यानी इन स्पेस का गठन हुआ। श्रीहरिकोटा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में एक निजी लॉन्चपैड और मिशन नियंत्रण केंद्र की स्थापना हुई। आज 140 स्टार्टअप अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहे हैं। स्टार्टअप में 2021 से अभी तक 20 करोड डॉलर का निवेश आया है। 2030 तक इसरो ने अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। भारत दूसरे देशों का सबसे ज्यादा उपग्रह प्रक्षेपित करने वाला देश है। 2040 तक अंतरिक्ष बाजार एक खरब डालर का हो सकता है और उसमें भारत को सर्वाधिक महत्वपूर्ण हिस्सा पाना है तो उसके अनुरूप उद्देश्य, विचारधारा, आधारभूत संरचना, माहौल और सरकारी प्रोत्साहन होना चाहिए। व्यावहारिक दृष्टिकोण नहीं हो तो दूसरे देशों को आप नहीं समझा सकते कि वे उपग्रह क्यों छोड़ें। उपग्रहों से आम व्यक्ति का दैनंदिन जुड़ाव इतना ज्यादा है कि सभी देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इस समय हमारा अंतरिक्ष बाजार चार प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

सही लक्ष्य, विचारधारा,माहौल देने तथा नेतृत्व द्वारा लगातार प्रोत्साहन मिलने के बाद वैज्ञानिक, कर्मचारी सब अपने आपको झोंक देते हैं क्योंकि सब उनके मन के अनुकूल होता है। हमारा चंद्रयान-3 केवल 600 करोड रुपए में सफल हुआ जबकि रूस का लूना 16000 करोड रुपए खर्च करके विफल। यानी बड़ी सफलताओं के लिए भी बहुत ज्यादा धन नहीं चाहिए। विचारों और लक्ष्यों की प्रेरणा तथा नेतृत्व का प्रोत्साहन मूल होता है। 2019 में चंद्रयान-2 की विफलता के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस ढंग से तत्कालीन इसरो प्रमुख को गले लगाया और भाषण दिया वह अद्भुत था। इस बार भी विदेश से लौटते हुए सीधे बेंगलूरु उतर केंद्र पर जाकर उन्होंने वही भूमिका निभाई है।

नेतृत्व का दृष्टिकोण देखिए। उन्होंने छात्रों व युवा वैज्ञानिकों से कहा कि हमारे खगोल विज्ञान की गणनाओं को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर सही साबित करें ताकि हम विश्व को बता सकें कि हमारी धरोहर क्या है। यही बात पहले क्यों नहीं कही गई? इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा था कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में जो कुछ भी आज है वह वेदों में पहले से हैं, बीजगणित , अंकगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति सबके आधार वहां है और पश्चिम ने उसी को नए पैकेज में पेश किया है। सोमनाथ की इस कथन पर पीठ थपथपाई गई। हो सकता है दूसरी सरकार होती तो उनकी हंसी उड़ाई जाती। भारत की ज्ञान शक्ति को साबित करने का लक्ष्य भी वैज्ञानिकों को मिल गया है। तो चंद्रयान तीन की सफलता भारत के उस दर्शन की सफलता है, जिसका आधार अद्भुत ज्ञान के खजाने का सबको लाभ पहुंचाना और संपूर्ण सृष्टि का कल्याण है। भारत चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश ही नहीं बना भविष्य में संपूर्ण विश्व के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को सही दिशा देने की आधारभूमि भी तैयार कर दिया है।

चिंतन

विद्यार्थियों में बढती आत्महत्या की प्रवृति चिंताजनक

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल

मोबाइल-9413179329

राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा से फिर दिल दहलाने वाली खबर आयी है। रविवार को कोचिंग संस्थान के दो विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने की सूचना से समूचे शिक्षा तंत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं? आखिर शिक्षा के मन्दिर में अध्ययन के लिए जा रहे विद्यार्थी आत्महत्या करने को क्यों मजबूर हो रह है? दोष शिक्षा व्यवस्था में है या अधिक पाने की अंधी दौड़ में राजकुमारों को पैसे कमाने की मशीन बनाने को आतुर अभिभावकों का। आत्महत्या के कारण कुछ भी रहे हो, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन विद्यार्थियों द्वारा इस प्रकार निरंतर की जा रही आत्महत्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था सहित शिक्षक व अभिभावकों की भूमिका पर भी संदेह पैदा करता है। आखिर एक विद्यार्थी को क्यों अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। केवल कोटा शहर में पिछले करीब आठ माह में दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी आत्महत्या कर चुके है। यह घटना भी प्रश्न खड़ा करती है कि जब प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि रविवार को बच्चों को अवकाश देने और टेस्ट नहीं लेने के निर्देश है तो इसके बावजूद गाइड लाइन का उल्लंघन करते हुए रविवार को टेस्ट लिया गया बताया जा रहा है, जांच से ही पता चल सकेगा कि इस घटना का कारण क्या है लेकिन देश भर में विद्यार्थी वर्ग द्वारा बड़ी संख्या में की जा रही आत्महत्या जरूर चिंता का विषय है। विद्यार्थियों की आत्महत्या का यह कोई एक मामला नहीं है, देश भर में अनेक शहर है जहां रहकर विद्यार्थी अपनी पढाई करते है, कितने विद्यार्थी साल भर में मौत को गले लगाते है और कितने विद्यार्थी डिप्रेशन सहित अनेक मानसिक परेशानियों से गुजर रहे है। यह सर्वे का विषय है। लेकिन उससे भी ज्यादा चिंताजनक है मां-बाप का नाजायज दबाब और कोचिंग कक्षाओं का दबाब जहां विद्यार्थी पीसता रहा है और अन्दर तक टूट जाता है, फलस्वरूप एक विद्यार्थी को मौत को गले लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आखिर कब तक हमारे होनहार अपनी जीवन लीला यूं समाप्त करते रहेगें, यह विचारणीय है अभिभावकों से मेरा यही निवेदन है कि बड़ी नौकरी पाने का दबाव देकर अपने नौनिहालों की बली देना कहां तक जायज है। जब आपका कोई बच्चा आपकी भावनाओं के अनुसार पढनें में रूचि ही नहीं दिखा रहा है तो जबरदस्ती की कोचिंग करवाकर क्यों उसके जीवन के लिए संकट बन जाते है। विचार करें।

कोटा के प्रो. दिनेश शर्मा ने अपनी शोध स्टडी में पाया कि जब विद्यार्थी बार-बार खुद को कोस रहा हो। मरने जैसी बातें कर रहा हो। ये कहता हो कि वह किसी काम का नहीं है। दुनिया से परेशान हो चुका है। किसी व्यक्ति, परिवार या संस्था से परेशान हो चुका हो। जीने की इच्छा खत्म होने की बात करता हो। ऐसी बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसे मजाक में लेकर बिल्कुल अवॉइड न करें। इसी प्रकार विद्यार्थी इशारों में अपने नकारात्मक विचार जाहिर करता है। जैसे-सोशल मीडिया पर कोई निगेटिव पोस्ट डालता है।

ज्ञान विज्ञान

अब सूर्य पर भारत फतेह से दुनिया चमत्कृत होगी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

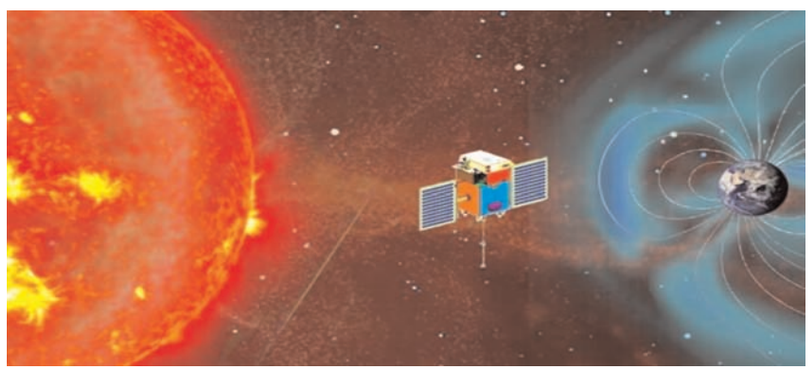

चंद्र अभियान की ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक नया इतिहास गढ़ने एवं एक और मैदान फतेह करने को तत्पर है और सूरज का अध्ययन करने के लिए संभवतः दो सितंबर 'आदित्य-एल 1' यानी सूर्य मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है। आदित्य-एल 1' अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल-1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के यथास्थिति अवलोकन के लिए बनाया गया है, इस मिशन की मदद से स्पेस में मौसम की मोबिलिटी, सूरज के तापमान, सोलर स्टॉर्म, एमिशन और अल्ट्रावॉयलेट रेज के धरती और ओजोन लेयर पर पड़ने वाले प्रभावों की स्टडी की जा सकेगी, जिससे मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को सकारात्मक मोड़ देने में सुविधा रहेगी। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और मील का पत्थर होगा। इस प्रक्षेपण के बाद अमरीका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद भारत सूर्य के पास उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। आदित्य एल-1 को पृथ्वी-सूर्य प्रणाली की ऑर्बिट के पांच बिंदुओं में से एक लैग्रेंज-1 में स्थापित किया जाएगा। यहां सूर्य पर ग्रहण के दौरान भी नजर रखी जा सकती है। यह पॉइंट पृथ्वी से 15 लाख किमी. दूर है। निश्चित ही चंद्रयान-3 के 3.84 लाख किमी. के सफर के मुकाबले आदित्य एल-1 का सफर कहीं ज्यादा चुनौती एवं संघर्षपूर्ण होगा।

दुनियाभर के वैज्ञानिक ब्रह्माण्ड के रहस्यों को जानने में जुटे हैं। जिस सौरमंडल में हम रहते हैं, उसे समझने के लिए सूर्य को जानना जरूरी है। सूर्य की ऊर्जा का अध्ययन धरती पर नहीं किया जा सकता। इसलिए दुनिया की दूसरी अंतरिक्ष एजेंसियों की तरह इसरो भी सूर्य के पास जाकर अध्ययन करना चाहता है। उसका पहला सूर्य अभियान सूर्य के कोरोना, प्रकाश मंडल, क्रोमोस्फीयर, सौर उत्सर्जन, सौर तूफानों और कोरोनल मास इजेक्शन के अध्ययन के साथ-साथ सूर्य की संपूर्ण इमेजिंग के नए द्वार खोल सकता है। लगातार चमकने वाला सूर्य, जहां ऊर्जा के लिए निरंतर विस्फोट होते रहते हैं, हमेशा से रहस्य का विषय रहा है। लेकिन ये विस्फोट कब होंगे और इसके प्रभाव क्या होंगे, इसकी सटीक जानकारी धरतीवासियों को नहीं है। ऐसे में इस टेलीस्कोप का एक उद्देश्य इनकी स्टडी करना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मिशन के तहत अलग-अलग तरह के डाटा को जुटाकर ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकेगी जिससे धरती को होने वाले नुकसान के बारे में पहले से अलर्ट किया जा सकेगा। इस अभियान की कामयाबी इसरो के लिए अंतरिक्ष में एक और अहम छलांग होगी। इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी भी बढ़ेगी, जो कि फिलहाल सिर्फ दो फीसदी है। इसमें वृद्धि के लिए इसरो को उसकी महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप सरकार से हरसंभव मदद मिलनी चाहिए।

नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की अनेक बहुद्देश्यीय एवं बहुआयामी योजनाएं आजादी के अमृतकाल में आकार लेने के लिये उजावली हैं, उन्हीं योजनाओं में अंतरिक्ष के अनुसंधान एवं अध्ययन से जुड़ी योजनाओं में से आदित्य-एल 1' एक बड़ी परियोजना है, जो सूर्य की गतिशीलता और उसके पास के मौसम की समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। सूर्य का नाम आदित्य भी है, अतः इस नाम का अभियान या यान सबके आकर्षण का केंद्र बने, तो कोई आश्चर्य नहीं। यह अभियान दुनिया में एक भारतीय शब्द का प्रचार और भारत के अंतरिक्ष अभियान के स्वदेशी होने का अहसास करायेगा। योजना के अनुसार, यह यान कुल 125 दिन में सूर्य के पास की कक्षा में पहुंच जाएगा। सूर्य के एकदम निकट जाने के बारे में तो कोई सोच नहीं सकता, पर सूर्य के पास एक सुरक्षित कक्षा है जहां पहुंचकर कोई यान परिक्रमा करते हुए सूर्य को देख-परख सकता है। यह आदित्य अंतरिक्ष यान सात उन्नत उपयोगी उपकरणों से सुसज्जित है, जो सूर्य की विभिन्न परतों, प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर से लेकर सबसे बाहरी परत, कोरोना तक की जांच करने के लिए तैयार किए गए हैं। इरादा यह है कि सूर्य के पास घटित होने वाली तमाम गतिविधियों का डाटा एकत्र किया जाए, ताकि सूर्य की कुल क्रिया-प्रतिक्रिया को समझा जा सके। हम तेज सूर्य से आंख नहीं मिला पाते हैं, पर भारत का आदित्य यान सूर्य से सीधे आंख मिलाने में सक्षम होगा, इसमें लगे चार उपकरण तो केवल सूर्य को देखने का काम करेंगे, मतलब इस अभियान का मूल लक्ष्य सूर्य को करीब से देखना है।

करोड़ों भारतीयों की प्रार्थना और इसरो के विज्ञानियों की मेधा एवं उनके अथक प्रयासों से जिस तरह चंद्रयान-3 अंततः चांद पर पहुंच ही गया, उसी तरह 'आदित्य-एल 1' भी सूर्य पर फतेह करके दुनिया को आश्चर्य में डालेंगा एवं चमत्कृत करेंगा। इस महत्वाकांक्षी अभियान से एक बार फिर भारत के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा होगा और पूरे देश में एक सुखद अनुभूति एवं ऊर्जा की लहर दौड़ेगी। इस महा सूर्य- अभियान के सफल होने से भारतवासियों के अंदर एक अनूठा आत्मविश्वास जागेगा, हौंसला बुलन्द होगा कि हम किसी भी जटिल से जटिल कार्य को पूर्ण कर सकेंगे और विश्वगुरु होने की पात्रता प्राप्त करेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नियुक्ति पत्र

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली में रोज़गार मेले में नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए।

टेरी गॉ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे ताइवान के राष्ट्रपति पद का चुनाव

ताइपे। विद्युत क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन के संस्थापक और अरबपति टेरी गॉ ने महीनों से लगाई जा रही अटकलों पर सोमवार को विराम लगाते हुए 2024 में होने वाले ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर किस्मत आजमाने की घोषणा की। गॉ ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की आलोचना की और कहा कि सरकार की नीतियों ने ताइवान को चीन के साथ युद्ध के खतरे की ओर धकेल दिया है। चीन, स्व-शासित द्वीप ताइवान पर अपने क्षेत्र का हिस्सा होने का दावा करता है। उन्होंने कहा कि ताइवान को अर्थव्यवस्था और गृह संबंधी अन्य मामलों पर नए दृष्टिकोण की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अंदरुनी मामलों की बात करें तो राष्ट्रीय नीतियां त्रुटियों से भरी हुई हैं। सरकार के पास ताइवान उद्योग जगत और लोगों की आजीविका से संबंधित समस्याओं को हल करने का कोई रास्ता नहीं है।' पूर्व में होन हाई प्रिसीशियन इंडस्ट्री के नाम से जानी जाने वाली गॉ की फॉक्सकॉन एप्पल की एक बड़ी आपूर्तिकर्ता है और चीन में उसकी कई फैक्टरियां हैं। गॉ लंबे समय से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे हैं। उन्होंने 2019 राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी पेश की थी लेकिन डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की साई इंग-वेन ने उन्हें आसानी से हराकर फिर से चुनाव जीत लिया था।

दूसरे कार्यकाल के लिए बाइडन की उम्र अधिक, जबकि ट्रंप समस्याओं से घिरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका में अगले साल प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद के दावेदार जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप को लेकर अमेरिकियों को लगता है बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए काफी उम्रदराज हैं, जबकि उनसे कुछ ही साल छोटे डोनाल्ड ट्रंप अन्य तरह की समस्याओं से घिरे हैं। अपने खिलाफ कई आपराधिक अभियोग के बावजूद ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ में शामिल अन्य उम्मीदवारों से काफी आगे हैं। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण के अनुसार, अधिकांश लोग एक कारक पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, जिसे बाइडन बदल नहीं सकते हैं। राष्ट्रपति ने खुद बड़ी चतुराई से इस कारक को भुनाना शुरू कर दिया है। वह दुनियाभर में 80 से अधिक दौरे कर रहे हैं और लोगों को ढलती उम्र के कारण कार्यक्षमता पर कोई असर नहीं पड़ने को लेकर आश्वस्त कर रहे हैं। कार्यस्थल पर उम्र को लेकर भेदभाव भले ही प्रतिबंधित है, लेकिन राष्ट्रपति के कुछ कर्मी इसे लेकर विरोधाभासी नजरिया भी रखते हैं। सर्वेक्षण में 77 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उम्र के लिहाज से बाइडन अगले चार साल के कार्यकाल के लिए उतने प्रभावी नहीं होंगे। न सिर्फ रिपब्लिकन पार्टी के 89 प्रतिशत समर्थकों, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 69 प्रतिशत समर्थकों का भी यही मानना है।

अमेरिका की करीब आधी वयस्क आबादी का कहना है कि ट्रंप भी राष्ट्रपति पद संभालने के लिए काफी उम्रदराज हो गए हैं। इस सर्वेक्षण से जो बात स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आई है, वह यह है कि अमेरिकी नागरिक शीर्ष पदों के लिए बजुर्ग के बजाय युवाओं को अधिक तरजीह देते हैं। विशेष रूप से 67 प्रतिशत लोगों ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के एक निश्चित आयु में सेवानिवृत्त होने की आवश्यकता का समर्थन किया। 68 प्रतिशत ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट में सदस्यों के लिए आयु सीमा तय करने का समर्थन किया। 66 प्रतिशत ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा निर्धारित करने की बात कही। सर्वेक्षण से पता चलता है कि सभी राजनीतिक दलों के ज्यादातर समर्थक एक युवा चेहरे, एक नये चेहरे या दोनों को देखना चाहते हैं। इनमें वर्जीनिया के 28 वर्षीय संचार सलाहकार नूह बर्डेन भी शामिल हैं। वह ट्रंप की जगह बाइडन को अधिक तरजीह देते हैं। बावजूद इसके वह चाहते हैं कि राष्ट्रपति पद के शीर्ष दावेदार उनकी पीढ़ी के होने चाहिए। बर्डेन ने कहा, ''दोनों काफी उम्रदराज हैं। इसी तरह, आर्डमोर में ट्रंप समर्थक ग्रेग पैक (62) चाहते हैं कि बाइडन और ट्रंप दोनों राष्ट्रपति पद की दौड़ से हट जाएं। पैक ने कहा, ''मैं चाहता हूं किसी युवा को मौका मिले।'' एपी-एनओआरसी सर्वेक्षण प्रश्न पूछे जाने और विकल्प प्रस्तुत करने से कहीं आगे था, जिसमें लोगों से प्रत्येक व्यक्ति का उल्लेख करते समय दिमाग में आने वाला पहला शब्द या वाक्यांश पेश करने के लिए कहा गया था।

यदि राष्ट्रपति चुना गया, तो एलन मस्क को सलाहकार बनाना चाहूंगा : विवेक रामास्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारी के भारतीय-अमेरिकी दावेदार विवेक रामास्वामी ने संकेत दिया है कि यदि वह 2024 में राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह अरबपति कारोबारी एलन मस्क को अपने प्रशासन का सलाहकार बनाना चाहेंगे। 'एनबीसी न्यूज' के अनुसार, रामास्वामी (38) से शुक्रवार को आयोवा में 'टाउन हॉल' के दौरान जब पूछा गया कि यदि वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह किसे अपना सलाहकार बनाना चाहेंगे, उन्होंने जवाब में मस्क का नाम लिया। रामास्वामी पिछले साल ट्विटर (अब 'एक्स') के मालिक बनने के बाद मस्क द्वारा बड़े पैमाने पर की गई छंटनी के प्रशंसक हैं। बॉयोटेक उद्यमी रामास्वामी ने कहा कि वह ऐसे नए विचारों के लोगों को चाहते हैं, जो सरकार ''के भीतर से नहीं आते।'' 'एनबीसी न्यूज' ने रामास्वामी के हवाले से कहा, ''मुझे हाल में एलन मस्क को और बेहतर तरीके से जानकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि वह मेरे एक दिलचस्प सलाहकार होंगे, क्योंकि उन्होंने ट्विटर के 75 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की।'' उन्होंने कहा, ''और इसके बाद प्रभावशीलता वास्तव में बढ़ गई।'' मस्क (52) 'स्पेसएक्स', 'टेस्ला' और 'एक्स' के मालिक हैं। इससे पहले भी रामास्वामी ने सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के प्रबंधन को लेकर मस्क की सराहना करते हुए कहा था कि वह उसी तरह सरकार चलाएंगे, जैसे मस्क कंपनी चलाते हैं। एनबीसी रिपोर्ट में कहा गया है कि रामास्वामी शिक्षा विभाग, संघीय जांच ब्यूरो और मद्य, तंबाकू, आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक ब्यूरो को बंद करने की अपनी इच्छा के बारे में मुखर रहे हैं। रामास्वामी 40 साल से कम आयु के सबसे अमीर अमेरिकियों में शामिल हैं। उन्होंने 'हार्वर्ड यूनिवर्सिटी' से जीव विज्ञान का अध्ययन किया।

इसके बाद उन्होंने 'येल यूनिवर्सिटी' से कानून की डिग्री प्राप्त की। 'फोर्ब्स' के अनुसार, वह कुछ समय तक अरबपति रहे, लेकिन शेयर बाजार में गिरावट के कारण उनकी पूंजी घट कर करीब 95 करोड़ डालर रह गई। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के दावेदारों की पहली बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अरबपति भारतीय-अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय अमेरिकियों ने की 'द वैक्सीन वॉर' फिल्म की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकियों ने पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' की सराहना की और 1.4 अरब की आबादी वाले देश भारत में कोविड-19 से निपटने में भारतीय वैज्ञानिकों, विशेष रूप से महिलाओं के योगदान पर आधारित इस फिल्म को ''आंखें खोल देने वाली'' करार दिया। अग्निहोत्री, 'इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी टूर, यूएसए' के तहत विभिन्न शहरों में चुनिंदा दर्शकों के सामने अपनी नई फिल्म की स्क्रीनिंग कर रहे हैं। वाशिंगटन के मैरीलैंड उपनगर में फिल्म देखने के बाद भारतीय-अमेरिकियों ने अग्निहोत्री के लिए खड़े होकर तालियां बजाईं।

अग्निहोत्री के साथ उनकी पत्नी पल्लवी जोशी भी मौजूद थीं, जो एक प्रसिद्ध अभिनेत्री और फिल्म निर्माता हैं। यह फिल्म विषम परिस्थितियों और कुछ विदेशी कंपनियों द्वारा पैदा की गई बाधाओं के बीच भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा कोविड-19 टीके को सफलतापूर्वक विकसित करने की कहानी पर आधारित है। वाशिंगटन में 'क्रेस्ट डायग्नोस्टिक्स लैब' में काम करने वाली भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक ज्योता ने फिल्म देखने के बाद कहा, 'मैं इस बात की वाकई सराहना करती हूं कि कैसे इस फिल्म ने कमतर आंके जाने वाले भारतीय वैज्ञानिकों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हम (महिला वैज्ञानिक) सराहना से वंचित रह जाते हैं। वैज्ञानिक, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की रीढ़ हैं और उनकी सराहना नहीं होती क्योंकि हम अस्पताल के भूमिगत तल में या फिर अस्पताल के पिछले कमरों में काम करते हैं और लोग वास्तव में नहीं जानते कि हम क्या कर रहे हैं।'

फिल्म सेक्शन 108 का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी आने वाली फिल्म सेक्शन 108 का टीजर रिलीज हो गया है। नवाजुद्दीन सिद्दिकी फिल्म टीकू वेड्स शेरू के बाद अब फिल्म 'सेक्शन 108' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह रेजिना कैसेंड्रा के साथ काम करते दिखेंगे। फिल्म सेक्शन 108 का टीजर टी सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, क्या आप अपना दिमाग उड़ाने के लिए तैयार हैं? सेक्शन 108 का नवाज और रेजिना के लीड में घोटाले का बम फोड़ता है। टीजर लाइव अपना पॉपकॉर्न ले आएं और लाइफटाइम स्कैम की राइड के लिए तैयार हो जाएं। टीजर में रेजिना को शिखा सक्सेना के रूप में दिखाया गया है जो सनराइज इंश्योरेंस को रिप्रेजेंट करती हैं और नवाजुद्दीन से मदद मांगती हैं। नवाज फिल्म में ताहूर खान की भूमिका निभा रहे हैं जो इंश्योरेंस क्लेम कंस्लटेंट हैं। टीजर की शुरुआत शिखा सक्सेना के इंट्रोडक्शन से होती है। जिसके बाद वे एक केस लेकर नवाज के पास आती हैं और नवाज उस केस को सुलझाने में लग जाते हैं।यह फिल्म 02 फरवरी 2024 को रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ की कमाई की

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ की कमाई कर ली है। रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को प्रदर्शित हुयी है। जेलर बॉक्स ऑफिस पर कमाल का बिजनेस कर रही है। रिलीज के बाद से ही इस फिल्म का देश के साथ विदेशों में भी डंका बज रहा है।

'फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबल विजय बालन के अनुसार जेलर ने 600 करोड़ क्लब में एंट्री कर दी है।फिल्म जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। 'जेलर' में रजनीकांत और तमन्ना भाटिया के अलावा राम्या कृष्णन, शिवा राजकुमार, विनायकन, जैकी श्रॉफ और मोहनलाल भी मुख्य किरदार में नजर आ रहे हैं।

प्राइम वीडियो पर होगा 'बंबई मेरी जान' का प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर और अभिनेता के के मेनन की वेबसीरीज बंबई मेरी जान का प्रीमियर 14 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। प्राइम वीडियो ने अपने आने वाले क्राइम ड्रामा, बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। 10 एपीसोड वाली इस सीरीज़ का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा।

'एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, आजादी के बाद के युग पर आधारित, बंबई मेरी जान एक आजाद राष्ट्र की पृष्ठभूमि में मुंबई में अंडरवर्ल्ड के जन्म की कहानी कहती है। दर्शक एक एंटरटेनिंग गैंगस्टर थ्रिलर देखेंगे, जो अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई को एक्सप्लोर करेगी। हम दुनिया भर में अपने दर्शकों के लिए एक और सोच को उड़ान देने वाली सीरीज लाने के लिए प्राइम वीडियो के साथ फिर से काम करके वास्तव में बहुत खुश हैं।शुजात सौदागर ने कहा, बंबई मेरी जान नेचर वर्सेज पालन-पोषण की जटिलता से संबंधित है। इसकी तरह की थीम बेस्ड ख़राब रिश्तों से जुड़ी कहानियां मुझे हमेशा सिनेमाई नरेटिव कहने के लिए आकर्षित करती हैं। बंबई मेरी जान एक ऐसे परिवार की गाथा बुनती है जो आजाद मुंबई के विकास के साथ-साथ अपनी परेशानी और मुश्किल अनुभवों के जरिए से बस और बढ़ रहा है। हम उस सीरीज पर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते जो हमारे दिल के बहुत करीब है।

'गदर-2' बनी सबसे तेज 450 करोड़ कमाने वाली फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर अभी भी धूम मचा रही है। शनिवार को तीसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बन चुकी 'गदर 2' ने संडे को ऐसी कमाई की जिसने एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया। बड़ी स्क्रीन पर तारा सिंह का पाकिस्तानी एडवेंचर देखने के लिए संडे को एक बार फिर सिनेमाघरों में दर्शकों का ऐसा हुजूम उमड़ा कि 'गदर 2' ने फिर से एक दिन में रिकॉर्ड तोड़ कारोबार कर डाला। ज्ञातव्य है कि सिनेमाघरों में 'गदर 2' का तीसरा हफ्ता चल रहा है। 17वें दिन फिल्म ने जो कारोबार किया वो इस शुक्रवार को प्रदर्शित हुई आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 भी नहीं कर सकी है। शुक्रवार-शनिवार सॉलिड कमाई के बाद 'गदर 2' ने संडे को एक बार फिर से बड़ा जंप लिया। शुक्रवार के 7 करोड़ के मुकाबले, शनिवार को फिल्म ने 80% से ज्यादा जंप लिया और 13.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को 'गदर 2' की कमाई में एक बार फिर से उछाल आया। शनिवार के मुकाबले 20% के करीब जंप के साथ सनी की फिल्म ने रविवार को 16.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

रविवार की कमाई के साथ 'गदर 2' का वीकेंड कलेक्शन 37 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। तीसरे वीकेंड में इतनी बेहतरीन कमाई कई बड़ी-बड़ी फिल्मों को नसीब नहीं हुई है। दूसरे वीकेंड में 91 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने वाली इस फिल्म का कलेक्शन, तीसरे वीकेंड में 60% से भी कम गिरा है जो बहुत बड़ी बात है। सनी देओल के नाम सबसे तेज 450 करोड़

रविवार की कमाई से अब 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ का पहाड़ जैसा माइलस्टोन पार कर लिया है। अब 17 दिन में फिल्म का कुल नेट इंडिया कलेक्शन 456 करोड़ रुपये हो गया है। बॉलीवुड के इतिहास में सिर्फ शाहरुख खान की 'पठान' ही अभी तक ये कमाल कर पाई थी, जबकि इस विशाल आंकड़े को पार करने वाली हिंदी फिल्मों में 'पठान' के साथ, एसएस. राजामौली की 'बाहुबली 2' (हिंदी) भी शामिल है। 'गदर 2' के खाते में एक बड़ी अचीवमेंट ये भी आई है कि ये सबसे तेज 450 करोड़ कमाने वाली फिल्म बन गई है। जहां शाहरुख की 'पठान' को ये कमाल करने में 18 दिन का समय लगा था, वहीं 'बाहुबली 2' के हिंदी वर्जन को 450 करोड़ कमाने में 20 दिन लगे थे। 'गदर 2' से सनी देओल की खाते में ऐसे बड़े-बड़े रिकॉर्ड दर्ज हो रहे हैं, जिन्हें तोड़ने की कल्पना भी अगस्त 2023 से पहले किसी ने नहीं की होगी।

'कैसी ये यारियां' का आ रहा पांचवां सीजन

मुंबई/एजेन्सी

शो 'कैसी ये यारियां' अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। इसकी घोषणा पार्थ स्मथान और नीति टेलर ने की। नए सीजन की स्ट्रीमिंग 2 सितंबर, 2023 से शुरू होगी। इस सीजन में माणिक (पार्थ द्वारा अभिनीत) और नंदिनी (नीति टेलर द्वारा अभिनीत) की लव स्टोरी होगी। एक्टर पार्थ, नीति, किश्वर मर्चेंट, अयाज खान और मेहुल निसार शो के नए सीजन में अपने मूल पात्रों को फिर से निभाएंगे। इस सीजन में आयुष शौकीन, सागर पारेख, जान्या खंडपुर और पलाश तिवारी भी सपोर्टिंग रोल्स में होंगे। सीज़न की शुरुआत में गलतफहमी के बाद सीजन 4 के अंत में माणिक और नंदिनी के बीच सुलह हो जाती है।

सीजन 5, सीजन 4 में किए गए हमेशा फॉरएवर के वादे पर आधारित है, जिसमें कपल लंबे समय तक अलग रहने के बाद आखिरकार एक साथ वापस आ गए। नए सीज़न के बारे बोलते हुए, पार्थ ने कहा: 'कैसी ये यारियां' का फोकस हमेशा प्यार रहा है, और इस सीज़न में, दर्शक माणिक और नंदिनी की कहानी में एक नया चैप्टर देखेंगे। उनकी लाइफ में नया एडवेंचर होने वाला हैं। इस शो के माध्यम से हमने जो बेंचमार्क स्थापित किया है, उसे देखते हुए यह अवास्तविक लगता है, हर सीज़न की कहानी दर्शकों का ध्यान खींच रही है।

नए सीज़न के लॉन्च से पहले नीति ने शो के बारे में कहा, ''सीज़न 4 की अपार सफलता के बाद, हम इस बार डबल रोमांस और प्यार के साथ वापस आने के लिए बहुत उत्साहित हैं। दूरी के बाद माणिक और नंदिनी को सीजन 5 में एक साथ देखा जाएगा। मेरा किरदार प्यार और रोमांस को एक पायदान ऊपर ले जाता हुआ नजर आएगा। इतने सालों में दोनों किरदार काफी मैच्योर हो गए हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''माणिक और नंदिनी के लिए फैंस का अटूट प्यार और समर्थन दिल को छू लेने वाला है। मुझे जो प्रशंसा और स्नेह मिला है, वह प्रेरणा का जबरदस्त स्रोत है और हम दर्शकों से वादा करते हैं कि इस सीज़न में, उन्हें एक ऐसा प्यार देखने को मिलेगा जो सभी परेशानियों को पछाड़कर जीत हासिल करता है।'''कैसी ये यारियां- सीजन 5' जल्द ही जियोसिनेमा पर स्ट्रीम होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 29-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मानव देह के निर्माण, पोषण और वृद्धि का मुख्य आधार आहार है। यद्यपि वायु और जल भी मनुष्य के लिए अत्यावश्यक आहार हैं, पर चूँकि ये प्रायः अनायास या अल्प आयास से ही प्राप्त होते रहते हैं, इसलिए हम अन्न या अन्य खाद्य पदार्थ को ही आहार की संज्ञा देते हैं, यदि विश्लेषण करके देखा जाय तो संसार में बहुसंख्यक व्यक्तियों के लिए तो भोजन था आहार ही जीवन का सर्वप्रधान उद्देश्य और कार्य है, वे इसी के लिये जीते और मरते हैं। आज सभ्य समाज में भी ऐसे लोगों की कमी नहीं जिनका ध्यान सदैव भोजन के प्रश्न पर ही केन्द्रित रहता है और जो सबेरे उठते ही यह हिसाब लगाया करते हैं कि आज किस समय क्या- क्या भोज्य सामग्रियाँ बनाई जायेंगी?

आहार शुद्धि ही आध्यात्मिक प्रगति का मुख्य आधार हैं : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बिन्नी नोर्थटाउन सोसायटी के संघ भवन में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि मानव देह के निर्माण, पोषण और वृद्धि का मुख्य आधार आहार है। यद्यपि वायु और जल भी मनुष्य के लिए अत्यावश्यक आहार हैं, पर चूँकि ये प्राय: अनायास या अल्प आयास से ही प्राप्त होते रहते हैं, इसलिए हम अन्न या अन्य खाद्य पदार्थ को ही आहार की संज्ञा देते हैं, यदि विश्लेषण करके देखा जाय तो संसार में बहुसंख्यक व्यक्तियों के लिए तो भोजन था आहार ही जीवन का सर्वप्रधान उद्देश्य और कार्य है, वे इसी के लिये जीते और मरते हैं। आज सभ्य समाज में भी ऐसे लोगों की कमी नहीं जिनका ध्यान सदैव भोजन के प्रश्न पर ही केन्द्रित रहता है और जो सबेरे उठते ही यह हिसाब लगाया करते हैं कि आज किस समय क्या- क्या भोज्य सामग्रियाँ बनाई जायेंगी? ऐसे भी असंख्यों लोग पाये जाते हैं जो भोजन के लिए अपने स्वास्थ्य, आरोग्य, पदवी, प्रतिष्ठा तक का बलिदान कर डालते हैं और केवल भोजन सम्बन्धी स्वाद के लिये प्राण उत्सर्ग कर देते हैं।

संतश्री ने कहा कि पर यदि हम ऐसे पेटू या स्वाद प्रिय लोगों की बात छोड़ भी दें तो संसार में कोई भी विद्वान, बुद्धिमान, विचारक, पण्डित, सन्त, महात्मा ऐसा नहीं मिलेगा, जिसको आहार की आवश्यकता न हो और जिसे इस संबंध में थोड़ी बहुत चिन्ता न करनी पड़ती हो। कारण यही है कि शरीर के अस्तित्व का आधार आहार ही है और इसी के द्वारा हमको वह शक्ति प्राप्त होती है जिससे हम जीवन के विविध व्यापारों को सम्पन्न कर सकते हैं। मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य अध्यात्मिक उन्नति बतलाया गया है और उसे प्राप्त करने के लिये मनुष्य को भौतिक जगत का ध्यान कम करके परमात्मा का ध्यान, भजन, साधना करने की आवश्यकता होती हैं। पर यदि आहार का अभाव हो जाय तो यह भजन और ध्यान दो-चार दिन भी नहीं हो सकता। इसी तथ्य को समझ कर कोई अनुभवी कह गया है- 'भुखे भजन न होय गुपाला, यह ले लो अपनी कण्ठी माला।' अंत में आचार्यश्री ने कहा कि शरीर के अतिरिक्त भोजन का हमारे मन से भी सम्बन्ध है और फिर उसका प्रभाव बुद्धि तक भी पहुँचता है। मन और बुद्धि ही मनुष्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रगति के मुख्य आधार हैं और जो मनुष्य इस क्षेत्र में अग्रसर होने की चेष्टा नहीं करता उसका मानव जीवन ही व्यर्थ है। इसलिए जो व्यक्ति वास्तव में अपना कल्याण चाहता है और इस नर जन्म को सफल बनाने की इच्छा रखता हैं उसे आहार-शुद्धि पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

जो अपने आँसू पोंछे वो नैन, जो दूसरे के आँसू पोंछे वो जैन : मनोज मुंतशीर

जीतो नॉर्थ द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन के नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को जीतो अपेक्स के अमृतकाल महोत्सव के अन्तर्गत देशभक्ति कार्यक्रम के तहत 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर किया। कारगिल के स्वतंत्रता सेनानियों की उपस्थिति में राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जाने माने गीतकार,लेखक व प्रेरक वक्ता मनोज मुंतशीर शुक्ला ने अपनी प्रस्तुति से सभी का दिल जीता। कार्यक्रम में मनोज मुंतशीर ने जीतो की कोरोना काल में की गई सेवाओं को याद करते हुए कहा कि जो अपनो के आँसू पोंछे वो नैन और जो दूसरों के आँसू पोंछे वो जैन। उन्होंने यह भी कहा कि जैन कम है लेकिन कमज़ोर नहीं। भारत की सबसे समृद्ध जाति होते हुए भी जैन समाज अपरिग्रह की भावना को मन में रखते है, जैन समाज दोनों हाथों से कमाता है उसी रूप में धन का सत्कार्यों में विसर्जन में भी आगे रहता है। जीतो ने समाजसेवा, शिक्षा, सेवा व आर्थिक उन्नत्ति को अपना लक्ष्य बनाकर विभिन्न प्राकृतिक व कोरोना आपदा में सहायता का हाथ आगे बढ़ाकर अपनी राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रधर्म को भी बखूबी निभाया है, वह सराहनीय हैं। देश प्रेम की अपनी विराट भावनाओं को तथा भारत के सच्चे सपूतों की भारत माँ के प्रति सोच को रखते हुए उन्होंने कहा कि ऐ माँ भरोसा रख अपनी संतानों पर-हम तिरंगा गाड़ देंगे आसमानों पर। देशभक्ति पर उन्होंने अपनी प्रस्तुति द्वारा उपस्थित दर्शकों में देश के प्रति कर्तव्यों तथा देशप्रेम की भावना को बल दिया। माँ-पिता विषय पर उनकी भावनात्मक प्रस्तुति ने सभी दर्शकों की आँखों को नम कर दिया।

जीतो पदाधिकारियों तथा स्वतंत्रता सेनानी एवं कारगिल के नायक कैप्टन नवीन नागप्पा व हवलदार वी. गुमकर द्वारा राष्ट्रीय एवं जीतो ध्वजारोहण से रंग दे बसंती कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कारगिल योद्धाओं, बेंगलूरु मध्य के सांसद पी.सी. मोहन, अपेक्स निदेशक विनोद जैन व हितेश पालरेचा, जीतो के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश सिंघवी, श्रीपाल खींवेसरा व अशोक नागोरी, केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा व महामंत्री सुधीर गादिया, साउथ महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल, अपेक्स महिला उपाध्यक्ष ललिता गुलेच्छा, पूर्व अपेक्स निदेशक संजय धारीवाल व गौतम देसरला,नार्थ महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी व महामंत्री सुमन वेदमुथा, साउथ महिला अध्यक्ष सुनीता गांधी, नार्थ युवा अध्यक्ष मनीष कोठारी आदि द्वारा द्वीप प्रज्वलन किया गया। सभी का स्वागत करते हुए नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने कहा कि आयोजन से एकता और देशभक्ति की एक मिशाल कायम होगी और जीतो सदस्यों में मजबूत बंधन की शुरुआत होगी। सांसद पी.सी. मोहन ने एकता एवं देशभक्ति पर अपने विचार रखे तथा जीतो की समाज के प्रति सेवा भावना की सराहना की। केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, नार्थ चैप्टर के महामंत्री सुधीर गादिया ने एकता, जुड़ाव एवं देशभक्तिपूर्ण इस आयोजन की सराहना की। रंग दे बसंती कार्यक्रम के संयोजक सिद्धार्थ पटवा, सह संयोजक राजकुमार सोलंकी व नितिन कटारिया ने कार्यक्रम के सफलता का श्रेय नार्थ टीम को दिया। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि आयोजन के दौरान डा.श्याम ने तिरंगा जेमिंग द्वारा भारतीय ध्वज के रंगों वाली संगीतमय स्वर का माहौल पैदा किया। इस मौके पर मेट्रिमोनी योजना की शुरुआत व महिला उद्यमियों के लिये जेबीएन वी-कनेक्ट तथा जीतो प्रीमियर क्रिकेट लीग की घोषणा की गई तथा कारगिल योद्धाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गायक हितेश मेहता ग्रुप द्वारा देशभक्ति के अनेक गीत प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन में नार्थ चैप्टर के पदाधिकारियों व सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में टीएसआर लेआउट कोगुंनगर के ईश्वरण कोविल शंकर मंदिर में पुजारी रामलिंगम् एवं मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नागेन्द्र स्वामी एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में रुद्राभिषेक किया गया। मुख्यअतिथि के रूप में अशोक शर्मा, अनिल शर्मा, लीलाधर शर्मा, महावीर शर्मा, भागीरथ गुलेरिया द्वारा मन्दिर प्रागंण में महाप्रसाद वितरण किया गया।

पहली गलती में अपने आप को सुधारें : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि आदिनाथ परिवार के समान मेरा भी परिवार हो, सभी सदस्य धर्म का आचरण करें। भरत चक्रवर्ती ने बाहुबली पर चक्र चला दिया। पहली बार अगर गलती की जाती है तो वह गलती सिर्फ गलती होती है । दूसरी बार गलती की जाती है जो वह लज्जास्पद हैं । तीसरी बार अगर गलती होती है तो घृणास्पद हैं और चौथी बार अगर गलती होती है तो वह सजा के योग्य है। भारत की यह गलती चौथी गलती थी जो माफ करने योग्य नहीं थी। जब चक्षु युद्ध में दृष्टि युद्ध में बाहुबली से भारत हार गए बहु बली के साथ भुज युद्ध में हार गए और जब और कोई रास्ता नहीं बचा तो बाहुबली पर चक्र चला दिया, परंतु चक्र भी बाहुबली को नमन करके लौट गया। बाहुबली तिलमिला उठे उनका क्रोध का पारा चढ़ गया और उन्होंने भारत को मारने के लिए मुश्टी उठाई शकेंद्र महाराज को पता चला कि अगर बाहुबली भारत को मुष्ठी से अगर मारते हैं तो भरत खत्म हो जाएंगे और चक्रवर्ती कभी हारते नहीं है यह तो प्रकृति के विरुद्ध है बड़े भाई पर छोटा भाई हाथ उठाना यह भी लज्जा स्पद हैं तुरंत उन्होंने बाहुबली के पास आए और बाहुबली को समझाने लगे। बाहुबली ये तुम क्या कर रहे हो क्या आप बड़े भाई पर हाथ उठा रहे हो क्या इससे आपके परिवार की बेइज्जती नहीं होगी क्या परिवार का यशोगान खराब नहीं होगा परंतु बाहुबली मुश्टी को उठा चुके थे वह नीचे नहीं रखना चाहते थे तो उन्होंने सोचा कि ठीक है मैं हाथ उठा दिया है तो मैं अब इसको अपने सर पर रखा और पंच मुश्टी लोच करके वह साधु बन गए। मुनि बन गये। भरत चक्रवर्ती अपने छोटे भाई बाहुबली से माफी मांगने लगे रोने लगे परन्तु बाहुबली संसार को छोड़कर मुनि बनकर ध्यानस्थ हो गए और भरत चक्रवर्ती के चौदह चक्र आयुध शाला प्रवेश हो चुके थे और छह खंड के अधिपति बन गए।

साध्वीश्री जिज्ञासा जी म.सा.ने अपने प्रवचन में बताया की लेश्या के प्रकार बताते हुए कहा कि लेश्या 6 प्रकार की होती हैं कृष्ण, नील, कापोत, तेजो, पदम और शुक्ल लेश्या। हर संसारी जीव परिभ्रमण करता है जिसकी जैसी लेश्या होगी उसकी वैसी गति होगी। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

मधुमेह के प्रति जागरुकता कार्यों के लिए कटिबद्ध है एमवी हॉस्पिटल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मधुमेह रोगों के उपचार के लिए विश्वस्तर रोयापुरम स्थित एमवी हॉस्पिटल ने अपने संस्थापक स्व. प्रोफेसर एम. विश्वनाथन की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में अस्पताल के नए लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर अस्पताल ने ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के आयुक्त डॉ. जे. राधाकृष्णन की मौजूदगी में सिंगारा 2 के अंर्तगत 100 पौधे दान किए। इस अवसर पर अस्पताल ने रोयापुरम के आसपास के रहवासियों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसका उद्घाटन रायपुरम के विधायक डॉ. आईड्रीम्स मूर्ति द्वारा किया गया। अस्पताल के मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय विश्वनाथन ने बताया कि हाल ही में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारत में 101 मिलियन लोगों में से देश की 11.47 आबादी मधुमेह के साथ जी रही है। गांव की अपेक्षा शहरों में मधुमेह के रोगी अधिक है। इसका प्रमुख कारण बदलती जीवन शैली, जीवन स्तर में सुधार, अनियमित काम के घंटे, गतिहीन जीवनशैली, तनाव प्रदूषण, भोजन के आदतों में बदलाव और फास्ट फूड की आसान उपलब्धता ऐसे बड़े कारण है जिनकी वजह से मधुमेह बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमे मधुमेह की रोकथाम के लिए बेहतर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है जिसके लिए एमवी अस्पताल लगातार कार्य कर रहा है।

पंजाबी एसोसिएशन की साधारण सभा सम्पन्न, 30 सदस्यों का निर्विरोध चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय पंजाब एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक का आयोजन रविवार को रॉयपेटा स्थित पीएन धवन आदर्श विद्यालय में आयोजित किया गया जिसमें एसोसिएशन के अनेक सदस्यों ने भाग लिया। पंजाब एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विक्रम अग्रवाल ने आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया और अपने पिछले 3 वर्षों के कार्यकाल की विगतवार उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्था द्वारा कोविड काल में किए कार्यों, विभिन्न टीकाकरण शिविरों, अन्नदान, भोजन पैकेट उपलब्ध कराने का कार्य व अन्य कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 3 वर्षों के कार्यकाल के दौरान एसोसिएशन द्वारा संचालित अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमन को ए प्लस प्लस का ग्रेड मिला तथा कालेज में 16 अतिरिक्त कोर्स भी शुरू किए गए। रिपोर्ट के अनुसार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर विक्रम अग्रवाल के नेतृत्व में एसोसिएशन के 30 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार है जिसमें कार्यकारी समिति का कोई चुनाव नहीं हुआ है तथा सभी 30 सदस्य निर्विरोध रूप से चुने गए है यह सब उनके दृढ़ विश्वास एवं सफल होने की क्षमता को दर्शाता है।

सिद्धितप के तपस्वियों के ग्रहण किए पच्चखाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री केशरसूरीश्वरजी महाराजा के समुदाय के गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी ने साधु के लिए तो हीरे जवाहरात भी मिट्टी के बराबर है और विहार के समय या कभी भी चाहे धूल मिट्टी की जगह हो अथवा आलीशान जगह हो उनके लिए सब बराबर है। सोमवार को सिद्धितप के आखिरी पड़ाव यानी आठ उपवास के लिए तपस्वियों ने पच्चखाण लिए। परमात्मा को एवं गच्छाधिपति विजय हेमप्रभसूरीश्वरजी के चित्र को फूलों की माला पहना कर आशीर्वाद लिया। गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी महाराजा के कर कमलों में वंदन करके वासक्षेप रूपी आशीर्वाद ग्रहण किया। इसी श्रृंखला में चौदह पूर्व तप वालों के उपवास के लिए पच्चखाण दिए गए ।

जालोर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान के जालोर जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली के शुक्रवार को चेन्नई पहुंचने पर महानगर के साहुकारपेट क्षेत्र में स्थित रामदेव भवन में छतिस कौमो के राजस्थानी प्रवासियों द्वारा पलक पांवड़े बिछाकर भव्य स्वागत किया।

बागरा मंडल भाजपा मिडिया प्रभारी बगसिह राजपुरोहित बागरा ने बताया कि जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने बताया कि राजस्थान में आगामी दिनों विधानसभा चुनाव में भाजपा को सता में लाना है इसमें प्रवासियों का अहम योगदान रहेगा एवं सभी मिलकर अपने अपने क्षेत्रों में कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से पार्टी कि विजय होगी। प्रवासियों कि समस्या का समाधान होगा विशेष रूप से यहां से आने जाने में सीधी रेल सुविधा नहीं होने विशेष रूप से जालोर से चेन्नई के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनका पार्टी सता में आने पर निश्चित समाधान किया जायेगा। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के पीएसी मेंबर रविचंद्रन का भी स्वागत किया।

इस दौरान चेन्नई सेंट्रल एरिया भाजपा जिला सचिव पवन कुमार राजपुरोहित, गोसेवक मोतीसिंह राजपूत, चंद्रप्रभु जैन मंदिर ट्रस्ट के सुरेश कागरेशा, आंजणा चौधरी समाज के अध्यक्ष जोगाराम पटेल, राजस्थान राजपूत परिषद के अध्यक्ष मदन सिंह पातावत, राजस्थान राजपूत समाज के अध्यक्ष हडमतसिंह, क्षत्रिय घांची समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार घांची, खत्री समाज के मोहनलाल खत्री, देवासी समाज के चोपाराम देवासी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विप्र समाज के डार्विन भाई शर्मा, भीमाराम घांची, प्रजापत समाज के मालाराम प्रजापत, पारसमल प्रजापत,रेखाराम पटेल, अभय सिंह ओटवाला भीमसिंह दहिया ओटवाला, कांति लाल राजपुरोहित भीनमाल,मांगीलाल घांची आदि कई समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा श्रवणसिंह राव बोरली का साफे, शाल एवं माल्यार्पण किया। संचालन डार्विन शर्मा ने किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर आरएसपुरम् स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ भवन में पर्युषण पर्व में कठिन तपस्या करने वाले सुश्रावकों का संघ द्वारा सम्मान किया गया। मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, मनीषप्रभसागरजी, मतीसप्रभसागरजी ने सभी तपस्वियों को आशीर्वाद दिया तथा संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा आदि पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.